डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

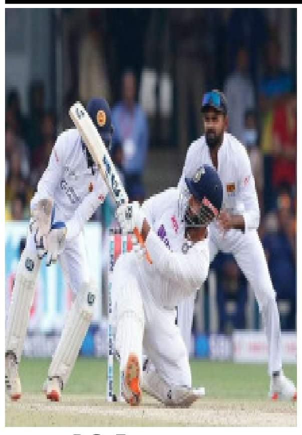

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः दिवंगत पत्नी सुनंदा पुष्कर का नाम घसीटे पर अग्निहोत्री-अनुपम खेर...

वर्ष -08 अंक -63 | प्रयागराज, गुरूवार 12 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अल्कोहल टेस्ट में असफल रहे पायलटों और चालक दल के सदस्यों के खिलाफ की कार्रवाई

नई दिल्ली ।नौ पायलट और चालक दल के 32 सदस्य एक जनवरी से 30 अप्रैल के बीच उड़ान से पहले किये गए अल्कोहल टेस्ट (शराब के सेवन का पता लगाने के लिए की गई जांच) में असफल रहे हैं। यह जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दी। डीजीसीए ने एक बयान जारी कर कहा कि इनमें से दो पायलट और चालक दल के दो सदस्यों को दूसरी बार जांच में असफल रहने पर तीन साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। अन्य सात पायलट और चालक दल के 30 सदस्यों को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया, क्योंकि वे पहली बार बीए (ब्रेथलाइजर) जांच में पाजिटिव पाये गए थे। डीजीसीए ने विगत माह कहा था कि एयरलाइंस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके पायलट और चालक दल के सदस्यों में से 50 प्रतिशत का 'अल्कोहल टेस्ट' हो। कोविड महामारी के प्रकोप से पहले चालक दल के सभी सदस्यों को उड़ान से पहले शराब सेवन का पता लगाने के लिए इस जांच से गुजरना पड़ता था। जब महामारी आई तो जांच कुछ महीनों के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद जांच फिर से शुरू की गई, लेकिन चालक दल के सदस्यों के केवल एक छोटे हिस्से के लिये।

चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए की 50 टीमें तैनात

नई दिल्ली । बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात 'आसनी' उत्तर-पश्चिम की ओर आंध्र प्रदेश और ओडिशा तट के करीब बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्श्व) के अनुसार गंभीर चक्रवाती तूफान 'आसनी' बुधवार की सुबह तक काकीनाडा और विशाखापत्तनम तटों के करीब पहुंच जाएगा और आंध्र प्रदेश तट के साथ आगे बढ़ेगा। इसके बाद यह धीरे-धीरे कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहे चक्रवात आसनी के आज रात तक उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उत्तरी आंध्र तट और उससे सटे ओडिशा तट तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवाती तूफान आसनी से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें अलर्ट मोड पर हैं।

तूफान असानी के बीच समुद्र में बहते मिला 'सोने का रथ' इंटेलिजेंस को किया गया सूचित

विशाखापत्तनम। समुद्री तूफान असानी के बीच आंध्र प्रदेश में श्रीकाकुलम के सुननपल्ली सी हार्बर में एक सोने के रंग का रथ पाया गया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम को यहां सोने के रंग की परत चढ़ा एक खूबसूरत रथ बहते हुए आ गया। यह रथ म्यांमार, मलेशिया या थाईलैंड से बहकर यहां पहुंचने की बात कही जा रही है। हालांकि संताबोम्मली के तहसीलदार जे चलमैय्या ने कहा कि यह किसी दूसरे देश से नहीं आया होगा। उन्होंने कहा कि रथ का इस्तेमाल भारतीय तट पर कहीं किसी फिल्म की शूटिंग के लिए किया गया होगा। लेकिन उच्च ज्वार की गतिविधि ने इसे श्रीकाकुलम तट पर ले आई। वहीं नौपाड़ा के एसआई ने कहा कि हो सकता है कि यह किसी दूसरे देश से आया हो. हमने इंटेलिजेंस और उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया है। समुद्र में बहते रथ को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने उसे रस्सियों से बांधकर किनारे तक पहुंचाया। रथ का आकार दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के एक मठ जैसा है। रथ के चक्रवात असानी के प्रभाव से भटकर यहां पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। चूंकि कम दबाव का क्षेत्र सबसे पहले दक्षिण अंडमान सागर पर बना था, इसलिए अनुमान लगाया जा रहा है कि ये रथ म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया या इंडोनेशिया जैसे अंडमान सागर के करीबी किसी देश का हो सकता है। चक्रवाती तूफान असानी का खतरा फिलहाल टलता जा रहा है। अभी इसका रुख आंध्र प्रदेश की तरफ है। तूफान के 12 मई तक पूरी तरह कमजोर पड़ने की संभावना जताई गई है। हालांकि इसके असर से आंध्र प्रदेश सहित बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में 11 से 13 मई तक बारिश होने तथा तूफानी हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र प्रदेश में 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। विशेष राहत आयुक्त,भुवनेश्वर, ओडिशा प्रदीप कुमार जेना के अनुसार, आंध्र प्रदेश के काकीनाडा तक पहुंचने के बाद तूफान विशाखापट्टनम तक आने के बाद फिर समुद्र में मिल जाएगा। इस दौरान ये कमजोर हो जाएगा। 12 मई की सुबह चक्रवात पूरी तरह कमज़ोर हो जाएगा।

देश में फिर बढ़े कोरोना के मामले, 24 घंटे में 2897 लोग हुए संक्रमित 54 की मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना के मामलों (ण्देदर्ह णै ग्ह घ्ट्टी) में फिर इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 2,897 मामले सामने आए हैं। बता दें कि ये लगातार दूसरा दिन है जब देश में कोरोना के मामले तीन हजार से कम दर्ज किए गए हैं। इससे पहले कल यानी मंगलवार को कोरोना के 2,288 मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान देश में कोरोना के कारण 54 लोगों की मौत भी हुई है। मृतकों में 48 केरल, दो महाराष्ट्र और दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से एक-एक व्यक्ति है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कुल मृतकों में से 70 फीसद लोग गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। राहत की बात है कि एक्टिव केस लगातार कम हो रहे हैं। कोरोना से बीते 24 घंटे में कुल 2,986 लोग रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर अब 19,494 रह गए हैं। एक्टिव केस कुल मामलों का 0.05 फीसद है। बता दें कि कोरोना के अब तक कुल 4 करोड़ 31 लाख 10 हजार 586 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, अब तक 5 लाख 24 हजार 157 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि अब तक कुल 4 करोड़ 25 लाख 66 हजार 935 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि डेली पाजिटिविटी दर 0.61 फीसद हो गई है। वहीं, साप्ताहिक पाजिटिविटी दर 0.74 फीसद है। इसी बीच, देश में कोविड वैक्सीन की 190.67 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है।

आज ही भारत ने किया था पोखरण में न्यूक्लियर टेस्ट

नई दिल्ली । आज राष्ट्रीय तकनीक दिवस है। आज के ही दिन भारत ने 1998 में पोखरण में अपना दूसरा परमाणु परीक्षण कर दुनिया को चौंकाने का काम किया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के उस भाषण की वीडियो को साझा किया है जिसमें उन्होंने इसकी जानकारी दी थी। इसी वीडियो में अटल बिहारी वाजपेयी ये कहते हुए देखे जा सकते हैं कि परमाणु हथिार रक्षा के लिए भी हो सकते हैं। इस परीक्षण की जानकारी देते हुए तत्कालीन पीएम ने इस बात की भी घोषणा की थी कि भारत कभी भी पहले इन हथियारों का उपयोग नहीं करेगा। अपने ट्वीट में पीएम नरेन्द्र मोदी ने उन वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया है जिन्होंने दुनिया की नजरों से छिपते छिपाते इस टेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया था। इसमें पीएम ने लिखा है कि हम गर्व के साथ अटल जी के अनुकरणीय नेतृत्व को याद करते हैं जिन्होंने उत्कृष्ट राजनीतिक साहस और राज्य कौशल दिखाया। उन्होंने बता दिया था कि भारत किसी से भी डरने और झुकने वालों में से नहीं है। 11 मई 1998 को पोखरण में भारत ने ये परीक्षण दोपहर 15:45 बजे किया था। इस परीक्षण की खास बात ये थी कि इसकी खबर अमेरिका को भी तब लगी थी जब ये हो चुका था। इतना ही नहीं अमेरिका ने भारत की निगरानी के लिए अपनी सेटेलाइट का रुख भी इधर ही किया हुआ था। इसके बाद भी वो इसकी जानकारी नहीं पा सका था। हालांकि, इस परीक्षण से गुस्साए अमेरिका ने बाद में कई तरह के प्रतिबंध भारत पर लगाए थे।

पीएम मोदी राष्ट्रपति भवन में आयोजित गेलेंट्री अवार्ड एंड डिस्टिंगिश सर्विस डेकोरेशन सेरेमनी में लिया हिस्सा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ट्वीट कर बताया है कि उन्होंने राष्ट्रपति भवन में आयोजित गेलेंट्री अवार्ड एंड डिस्टिंगिश सर्विस डेकोरेशन सेरेमनी में भाग लिया था। बता दें कि ये डिफेंस इंवेस्टिचर सेरेमनी मंगलवार को आयोजित की गई थी जिसमें राष्ट्रपति द्वारा सभी नामित नामों को इससे सुशोभित किया गया था। इस सेरेमनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू समेत अन्य गणमान्य लोग भी शामिल हुए थे।इस आयोजन में सैन्य अधिकारियों को युद्ध और शांति काल के दौरान उत्कृष्ठ सेवा के लिए मेडल प्रदान किए जाते हैं। इसमें सैन्य अधिकारियों को दिए जाने वाले विभिन्न तरह के अवार्ड और मेडल शामिल हैं। इसकी शुरुआत 1947 में हुई थी। उस वक्त इस बात पर जोर दिया गया था कि जिन सैनिकों और सैन्य अधिकारियों ने देश की रक्षा के लिए उत्कृष्ठ काम किया है उन्हें पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

कानूनी प्रतिबंध के साथ तकनीकी उलझन भी इसलिए दिल्ली पुलिस से नहीं साझा कर सकती डाटा

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका का विरोध किया है, जिसमें उच्च न्यायालय से निर्देश मांगा गया है कि जांचकर्ताओं को आधार डाटाबेस के साथ एक संदिग्ध की तस्वीर और मौके पर मिली अंगुलियों के निशान को आधार डाटाबेस से मिलाने की अनुमति दी जाए। यूआइडीएआइ के वकील ने यह कहते हुए इससे इन्कार कर दिया कि यह कानूनी और तकनीकी रूप से प्रतिबंधित है। यह अपनी तरह का पहला मामला है, जिस पर बहस छिड़ी हुई है। यूआइडीएआइ ने क्यों और किन नियमों के तहत इन्कार किया? आइए, जानते हैं इसके तकनीकी और कानूनी पहलू को। मामला 12 जून, 2018 का है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर में आभूषण व्यापारी हेमंत कुमार कौशिक की उनकी दुकान के सामने ही लुटेरों ने हत्या कर दी थी। दो लुटेरों ने दुकान में लूटपाट की, जबकि एक चोरी की मोटरसाइकिल पर उनका इंतजार कर रहा था। कौशिक ने उनमें से एक को पकडे का प्रयास किया तो उसे गोली मार दी गई। पुलिस ने घटनास्थल से 14 निशान और इलाके के सीसीटीवी कैमरों से फुटेज बरामद किए हैं, जिसमें एक संदिग्ध दिख रहा है। मौके के मिले अंगुलियों के निशान और तस्वीरें पुलिस के पास पहले से उपलब्ध किसी भी डाटा से मेल नहीं खातीं। जांचकर्ता अब आधार के बायोमेट्रिक डाटाबेस का उपयोग करके जांच को आगे बढ़ाना चाहते हैं आधार अधिनियम की धारा 33(1) का हवाला देते हुए फरवरी में दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कहा गया कि कुछ खास मामलों में पहचान की पुष्टि करने के लिए न्यायाधीश आदेश दे सकते हैं। आाधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 की धारा 28 (2) और 28 (5) में कहा गया है कि यूआइडीएआइ व्यि1तयों की पहचान की जानकारी और प्रमाणीकरण रिकार्ड की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा और यह कि कोई यूआइडीएआइ नहीं कर्मचारी, सेवा के दौरान या बाद में, केंद्रीय पहचान डाटा भंडार या प्रमाणीकरण रिकार्ड में संग्रहित किसी भी जानकारी को किसी को भी प्रकट कर सकता है। आधार अधिनियम के लिए यूआइडीएआइ को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वह पहचान की जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करे। यूआइडीएआइ के अनुसार, दिल्ली पुलिस की प्रार्थना अधिनियम की धारा 29 के विपरीत है, जो इसे किसी भी एजेंसी के साथ किसी भी कारण से बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट, आइरिस स्कैन या ऐसी किसी भी जैविक विशेषता) को साझा करने से रोकती है। यूआइडीएआइ ने यह भी कहा है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा आधार के निवासी या धारक की सहमति के बिना कोई भी आधार डाटा साझा नहीं किया जा सकता है। यूआइडीएआइ ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट में हाईकोर्ट को यह भी बताया है कि आधार के लिए जो बायोमेट्रिक जानकारियां (आइरिस स्कैन और फिंगर प्रिंट) जुटाई जाती है, वह फोरेंसिक उद्देश्यों के मानकों या प्रक्रियाओं के आधार पर नहीं होती है, इसलिए तकनीकी रूप से भी यह संभव नहीं है। 1: 1 प्रमाणीकरण (सत्यापन) एक ऐसा तरीका है जो व्यक्ति को प्रमाणित करने के लिए एक टेम्पलेट निर्दिष्ट करता है और एफवीए डिवाइस पर रखी गई उनकी वास्तविक उंगली (नस) से तुलना करता है। यह सटीकता और सुरक्षा में 1:एन प्रमाणीकरण की तुलना में बहुत बेहतर तरीका है। सीआरपीसी संशोधन बिल के तहत अब पुलिस को गंभीर अपराधों में शामिल आरोपियों के बायोमेट्रिक इंप्रेशन लेने का अधिकार दिया गया है। इसका डाटा नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को भेजा जाएगा। यह बिल दोनों सदनों में पास हो चुका है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक साक्ष्य को और मजबूत करना है।

एफसीआरए के उल्लंघन में गृह मंत्रालय के अधिकारियों समेत 14 हिरासत में

नई दिल्ली। एफसीआरए (विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम) का उल्लंघन कर गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेशी चंदा हासिल करने में मदद करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को सीबीआइ ने देशभर में 40 स्थानों पर छापे मारे और 14 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारी, एनजीओ के प्रतिनिधि और बिचौलिये शामिल हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय को जानकारी मिली थी कि उसके विभाग के कुछ निचले स्तर के अधिकारियों के साथ साठगांठ कर बिचौलिये एनजीओ को अवैध तरीके से एफसीआरए लाइसेंस हासिल करने या उनके नवीकरण में मदद कर रहे हैं। मंत्रालय ने गृह मंत्री अमित शाह को भी इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। सूत्रों ने बताया कि शाह ने इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्रालय की तरफ से सीबीआइ में शिकायत दर्ज कराई गई थी। सीबीआइ के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय के कुछ कर्मचारियों को दलालों के साथ पैसे की लेन-देन करते पकड़ा भी गया है। इसके साथ ही अभी तक दो करोड़ रुपये के हवाला लेन-देन के सुबूत भी मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली, राजस्थान, हैदराबाद, चेनन्ई, कोयंबटूर और मैसूर समेत 40 स्थानों पर जांच पड़ताल की कार्रवाई की है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर इनमें से कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

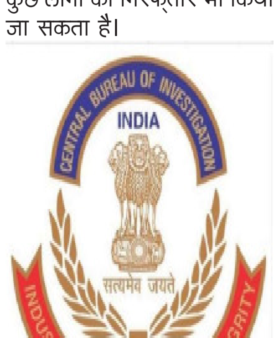

मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षामंत्री इंदरसिंह परमार की बहू ने फांसी लगाकर दी जान

शाजापुर। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार की बहू ने मंगलवार को गांव पोचानेर स्थित घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका का नाम सविता परमार उम्र 22 वर्ष बताई जा रही है, साथ ही घटना का कारण पारिवारिक बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची, जहां देर रात तक जांच जारी रही। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूचना के बाद मंत्री परमार भोपाल से गांव पोचानेर पहुंचे हैं। मृतका के परिजनों ने इस घटना की पुष्टि की है। मृतक सविता की शादी करीब तीन वर्ष पहले मध्य प्रदेश शासन में मंत्री इंदर सिंह परमार के बेटे देवराज परमार के साथ हुई थी। अवंतिपुर बड़ोदिया थाना टीआइ प्रदीप बाल्टर और तिलावद पुलिस चौकी एसआइ इनिम टोप्पो ने बताया कि 22 वर्षीय सविता पतनी देवराज परमार का शव घर में मिला है। शुरआती जांच में प्रतीत होता है कि फांसी लगने से मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। सविता अकोदिया थाना क्षेत्र के गांव हड़लाय की रहने वाली थीं। वह एक दिन पहले ही मायके से पोचानेर आई थीं।

राम सुमेर पाल को प्रभारी बनाए जाने पर हर्ष - नसीरुद्दीन राईन

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। विधानसभा क्षेत्र ग्राम कसिया के पुरा में समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष राम सुमेर पाल के आवास पर सपा जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन के नेतृत्व में सपाइयों ने जिला उपाध्यक्ष राम सुमेर पाल को फूलपुर नगर पंचायत चुनाव प्रभारी बनाए जाने पर फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन ने कहा की श्री राम सुमेर पाल पार्टी के समर्पित निष्ठावान जुझारू नेता हैं इन्होंने ने संगठन में रहते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मान व पार्टी के हर आन्दोलन में चढबढ कर हिस्सा लेते रहे हैं इनकी पार्टी की प्रति निष्ठा लगन को देखते हुए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मा अखिलेश यादव जी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रभारी रहे लोकसभा चुनाव में कोशाम्बी प्रभारी रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा चुनाव प्रभारी रहे अब नगर पंचायत अध्यक्ष चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों की जीत हो इसके लिए फूलपुर नगर पंचायत चुनाव में प्रभारी बनाया गया हम सभी समाजवादी पार्टी के लोग सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व जिलाध्यक्ष योगेश यादव जी को कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते हैं इस। दौरान प्रतापपुर विधानसभा प्रभारी रंगी लाल यादव, मुराद मंसूरी,समशाद खान,शालू यादव, अखिलेश यादव, महेन्द्र गुप्ता,मो इरफान, वाजिद तुफानी, चंदन बिंद,यहिया सिद्दीकी,अरकान सिद्दीकी, परवेज आलम,अरशद खान,।

तेज धमाके से एक युवक झुलसा

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। काशीराम आवास पर पीआरबी 0081 अपने पॉइंट पर थी एक तेज धमाका हुआ जिससे आस पड़ोस के लोग दौड़े इसी पश्चात 112 डायल गाड़ी भी तत्काल मौके पर पहुंची 112 में कार्यरत मोहम्मद लईक अंसारी ने तत्पश्चात देखा किएक लड़का जिसका नाम शुभम सन ऑफ जगतपाल झोपड़ी में रहते थे पतंग उड़ा रहा था लाइट ऊपर था जो कि उसको खींच लिया और उसका शरीर का चमड़ा जल गया बाल भी जल गया कांस्टेबल उदय नारायण राय एच जी चालक मोहम्मद लाइक अंसारी द्वारा एसआरएन अस्पताल लाया गया

महिलाओ के उत्थान के लिए बहुत बड़ी समस्या,बस स्टैड पर सार्वजनिक शौचालय नही-मेजा......

(आधुनिक समाचार सेव)
संजय द्विवेदी

मेजा (प्रयागराज) एक तरफ सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए नई योजनाएं बना रही है। वही दूसरी ओर यमुनापार के मुख्य चौराहा व बाजार मेजा रोड में उनके लिए एक शौचालय तक नहीं बना हुआ है। मेजा रोड बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालय न होने से महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास में भी पांच सौ मीटर के दायरे में भी कोई सार्वजनिक सार्वजनिक शौचालय नहीं है। जिसके चलते हर यात्री को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सम्बन्धित जिम्मेदारों के चलते मुख्य बाजार व मुख्य बस स्टैंड होने के बावजूद भी बस स्टैंड पर शौचालय की कोई ब्यवस्था नहीं है।लोगो ने बार बार मांग करने के बाद भी यहां महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं की गई। बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए शौचालय ना होने से उनको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इस समस्या का आज तक समाधान नहीं हो पाया है। बता दें कि बसों में यात्रा करने वाली व बाजार में आई हुई महिलाओं को काफी फजीहत झेलनी पड़ रही है। माण्डा मेजा रोड बस स्टैंड पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है।इसकी वजह से बस से यात्रा करना एवं बाजार आने वाली महिलाओं को आए दिन परेशानियो के कठिन समस्याओ से झेलना पड़ रहा है। शौचालय न होने पर महिलाएं अक्सर सुनसान जगह ढूढती है। वहां उनके लिए अराजकतत्वो का खतरा बना रहता है। शौचालय के अभाव में महिलाओं को परेशानी होती है मजबूरन उन्हें खुले में जाना पड़ता है। मेजा रोड बाजार में प्रतिदिन सैकड़ों महिलाओं का आना जाना लगा रहता है।आज तक जितने जनप्रतिनिधि हुए किसी का भी इस ओर ध्यान नही गया।जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई भी कदम नहीं उठाए गए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत,परिजनो में मचा कोहराम-मेजा

(आधुनिक समाचार सेव)
संजय द्विवेदी

मेजा (प्रयागराज)।मेजा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग छीहत्तर के ओवर ब्रिज के ऊपर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जो में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार ओम प्रकाश पटेल उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र कमलेश्वर प्रसाद सिंह पटेल निवासी पहाड़पुर निवैया बीती रात्रि बाइक से घर जा रहा था। जैसे ही वह मेजा रोड ओवर ब्रिज के ऊपर पहुंचा ही था की अज्ञात वाहन से उसे जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी तत्काल मौत हो गई।सूचना पर पहुंचे मय फोर्स के साथ चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मेजारोड अमृत जयसवाल ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।मामले की जानकारी परीजनो को देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नैनी औद्योगिक नगर को अटल बिहारी बाजपेई नगर बनाए जाने पर हर्ष-सांसद

(आधुनिक समाचार सेव)
संजय द्विवेदी

मेजा (प्रयागराज)।आज दिनाँक दस मई 2022 को इलाहाबाद की सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी के मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने बताया कि नगर निगम द्वारा नैनी क्षेत्र को अटल बिहारी बाजपेई नगर बनाए जाने पर प्रो0 जोशी ने हर्ष व्यक्त किया है और कहा कि अटल जी की स्मृति में नगर निगम द्वारा जो घोषण की गई है वह स्वागत योग्य है।उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सरकार द्वारा प्रयागराज को नैनी के नामकरण के बाद उम्मीद जागृत हुई है जो संघर्ष बी0पी0सी0एल0 कम्पनी को बचाने के लिए किया गया है संघर्ष में सौगात के रूप में सफलता अवश्य मिलेगी।प्रो0 जोशी ने कहा कि नैनी का औद्योगिक जीवन धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है,स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा ने नैनी में उद्योगों की स्थापना हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया था। निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में अनेकानेक कम्पनियों की स्थापना स्व0 बहुगुणा जी द्वारा कराई गई थी। स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा जी का सपना था की प्रयागराज के नैनी क्षेत्र को जमशेदपुर की तर्ज पर औद्योगिक नगर बनाना था। विगत तीस वर्षों में नैनी औद्योगिक क्षेत्र में एक के बाद एक कम्पनियाँ बन्द होती चली जा रही है।प्रो0 रीता जोशी ने प्रधानमंत्री एव मुख्यमंत्री से अपील किया है।कि नैनी को डिफेंस औद्योगिक कॉरिडोर से जोड़ा जाए ताकि प्रयागराज में निवेश आ सकें और नैनी औद्योगिक क्षेत्र और प्रयागराज का मृतप्रायःऔद्योगिक जीवन पुनः जीवित हो सके।और यमुनापार के क्षेत्रवासियों को रोजगार प्राप्त हो सकें।

जनता तक शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की सूचना पहुंचानें में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। वार्तालाप ग्रामीण मीडिया कार्यशाला का हुआ आयोजन मीडिया कार्यशाला में दिखाई ग्रामीण विकास की तस्वीर जिलाधिकारी सीतापुर अनुज सिंह व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष अतुल कपूर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर ग्रामीण मीडिया कार्यशाला का शुभारंभ किया सीतापुर - पत्र सूचना कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में ग्रामीण मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन जिला पंचायत स्थित नेहरू हाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद के सभी क्षेत्रों से आये पत्रकार बन्धुओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा संचालित केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण लोक कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन्न योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री का अल्पसंख्यकों के लिये 15 सूत्रीय कार्यक्रम आदि से अवगत कराया गया। पत्रकार बन्धुओं द्वारा कवरेज के दौरान आ रही समस्याओं एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की बेहतर जानकारी जनता तक पहुंचानें के विषय में अपने सुझावों से प्रशासनिक तथा पी0आई0बी0 के अधिकारियों को भी अवगत कराया गया। जिस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा शीघ्र कार्यवाही हेतु पत्रकार बन्धुओं को आश्वस्त भी किया गया। बेहतर कवरेज, पत्रकार कल्याण योजना, सोशल मीडिया के प्रयोग एवं योजनाओं के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिनन्न जानकारियां अधिकारियों, प्रबुद्धजनों एवं वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा पत्रकार बन्धुओं के साथ साझा की गयी, जिसे सभी ने सुना एवं लाभान्वित हुये। जिला पंचायत के नेहरू सभागार में आयोजित मीडिया कार्यशाला में मीडिया कमिर्यों को ग्रामीण विकास की तस्वीर भी दिखाई गई। इस मौके पर जिलाधिकारी अनुज सिंह व मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव की मौजूदगी में सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहे। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि देश व समाज के विकास में मीडिया की अहम भूमिका है। गांवों के विकास के लिए सभी को जुटना है, इसके लिए सभी तैयार रहें। उन्होंने कहा कि सरकार ने तमाम कल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं। बस हम सभी को इन योजनाओं को पात्र लाभाथिर्यों तक पहुंचाना है। जिलाधिकारी ने मीडिया बन्धुओं से अपेक्षा की कि वह अपने समाचार पत्र/चैनल के माध्यम से इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगे। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार जानकारी के अभाव में लोग परेशान होते हैं तथा जानकारी प्राप्त होने पर योजनाओं से जुड़कर उनसे लाभान्वित होते हैं। मा0 विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी गांवों तक पहुंचाने में ग्रामीण मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। विधायक ने 'ग्रामीण मीडिया कार्यशाला' में कहा कि सरकार की योजनाओं में जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पत्रकार सबसे बड़े मददगार हैं। सरकार की तमाम योजनाएं गांव-गरीब तक पहुँच रही इसमें ग्रामीण मीडिया की बड़ी भूमिका है। समाज और सरकार के लिए सबसे बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकार स्तंभ हैं। समस्याओं के निस्तारण में उनकी बहुत बड़ी भूमिका है। ग्रामीण मीडिया कार्यशाला वार्तालाप में पत्रकारों को संबोधित करते हुए लखनऊ मंडल के मंडल अध्यक्ष श्री अतुल कपूर ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में मीडिया एक सेतु का काम करती है। अपने समाज पर समाचार पत्रों का विशेष प्रभाव है। पत्रकारों को चाहिए कि वे राष्ट्रहित व समाज कल्याण में सकारात्मक पत्रकारिता को बल दें। श्री अतुल कपूर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों की कलम कभी नहीं कांपती, विकट परिस्थितियों में भी वे अपनी अभिव्यक्ति से समाज को एक दिशा देते हैं।इसलिए जनता में राष्ट्रीय चेतना पैदा करने के लिये उन्हें हमेशा प्रयतन्शील रहना होगा। आर0पी0 सरोज भारत सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि पीआइबी सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार की एक नोडल एजेंसी है, जो सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में एक सेतु का काम करती है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन सीतापुर जिला अध्यक्ष धीरेंद्र श्रीवास्तव ने ग्रामीण मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आम जनता तक सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रभावी तरीके से प्रचार-प्रसार के लिए जरूरी है कि पी0आई0बी0 और मीडिया के बीच संबंधों को मजबूत किया जाये। इसके लिये आवश्यक है कि पी0आई0बी0 की पहुंच दिल्ली या राज्य की राजधानियों के पत्रकारों तक सीमित न रहे, बल्कि जिले और निचले स्तर तक काम करने वाले पत्रकारों तक इसका विस्तार किया जाये। कार्यक्रम का उदेश्य विकासात्मक रिपोर्टिंग है। पी0आई0बी0 के मीडिया एवं संचार अधिकारी सुंदरम चौरसिया ने सोशल मीडिया एवं पी0आई0बी0 के एंड्रायड एप के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। एक दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी सत्र के दौरान पी0आई0बी0 से संबंधित जानकारी पत्रकारों को उपलब्ध करायी गयी एवं ग्रामीण व विकासात्मक पत्रकारिता से संबंधित विभिनन्न विषयों पर मुख्य वक्ताओं ने अपने विचार दिये। इस मौके पर सुमित बाजपेयी,आशीष त्रिवेदी,मोहित मिश्रा, नीरज शर्मा, संदीप श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश, मणिकांत त्रिपाठी, बी0के0 सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकार पंकज सिंह, डॉक्टर अल अहमद, पी0आई0बी0 के निदेशक आर0पी0 सरोज, डॉक्टर योगेंद्र सिंह आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

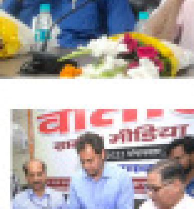

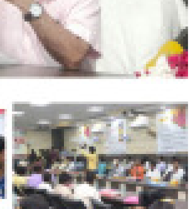

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 37 बिंदुओं के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए सिल्ट सफाई तथा चेकडैम मनरेगा द्वारा बनाया जा रहा है, उसे सहायक अभियंता को निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिये है। उन्होंने बिजली विभाग की समीक्षा करते हुए विद्युत आपूर्ति की जानकारी ली तथा आ रही बिल की शिकायतों को विद्युत विभाग के अभियंता को गम्भीरता से लेने के निर्देश दिये है तथा सभी क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सप्ताह में तीन दिन फील्ड का विजिट अवश्य करें, जिससे अद्यतन स्थिति की जानकारी के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य हो।

कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री किसान श्रम निधि, किसान सम्मान निधि तथा फसल बीमा के डाटा ठीक न मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। चिकित्सा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट सीएमओ से पेश करने का निर्देश दिये है। बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हित बच्चों की जानकारी ली तथा सीएमओ को कोरांव, हण्डिया स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। एफआरयू की प्रगति ठीक न मिलने पर डॉ0 अमित से स्पष्टीकरण कॉल किया है। सामुदायिक शौचालयों की जानकारी लेते हुए डीपीआरओ को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये है। हैण्ड पम्प रिबोर की जानकारी ली, प्रधानमंत्री आवास शहरी, ग्रामीण की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने पेंशन योजनाओं की जानकारी लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जो भी पात्र व्यक्ति है, उन्हें इस योजनाओं का लाभ दिया जाये। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा करते हुए कहा है कि जो भी बच्चे है, उनकी सुपरवाइजरों द्वारा सूची तैयार कर उन्हें पौष्टिक आहार दिया जाये। कायाकल्प के तहत सोसायटी (समितियों) को भी मेन्टेन कराये जाने के निर्देश दिये है। आई0टी0आई प्रधानाचार्य से लैपटॉप वितरण की जानकारी लेते हुए कुल कितने के सापेक्ष कितने वितरित किये गये है तथा जो भी अभी बचे है, उनका ससमय वितरण सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, डी0एस0टी0ओ0 श्री जितेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंगलवार को रेलवे ने जेसीबी से घरों को गिराया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। रामबाग रेलवे पटरी के किनारे रह रहे लोगों को रेलवे प्रशासन ने हटा दिया है। मंगलवार को रेलवे ने जेसीबी से घरों को गिराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घरों से सामान हटाए । बताया जा रहा है कि रेलवे के दोहरीकरण कार्य की वजह से रेलवे की पटरी के किनारे बसे लोगों को कई दिन पहले ही रेलवे ने अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया था। किसी प्रकार की राहत ना मिलते हुए देखकर पटरी के किनारे बसे लोगों ने अपना सामान हटाने का कार्य शुरू कर दिया था। लेकिन मंगलवार को रेलवे ने जेसेबी से पटरी किनारे बने घरों को गिरा दिया। लगभग 70 परिवारों ने अपने घरों से सामान हटाया और इधर-उधर शरण ली।

हिस्ट्रीशीटर पिता ने बेटे के सीने में मारी गोली, इलाज के दौरान हुई मौत,आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

कौशाम्बी। में एक हिस्ट्रीशीटर पिता ने मामूली विवाद में अपनी ही लाइसेंसी बंदूक से बेटे को दौड़ाकर सीने में गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। चीख-पुकार सुन परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई। आरोपी की बेटी की भी सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत गई थी। चर्चा है कि परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। दो दिन के भीतर बहन और भाई की मौत के बाद से गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पिपरी थाना क्षेत्र के फतेहपुर सहावपुर निवासी बृजेंद्र सिंह उर्फ शेरवानी मेहनत मजदूर करता था। उसके पिता शिवनारायण सिंह के खिलाफ पिपरी आने में ही पांच मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज है। पुलिस ने उसे हिस्ट्रीशीटर घोषित कर दिया था। मोबाइल को लेकर आज दोपहर उसके पिता शिवनारायण पटेल से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि बाप ने अपनी डबल बायरन लाइसेंसी बंदूक से बृजेन्द्र सिंह के ऊपर फायर झोक दिया। लेकिन आरोपी का निशाना चूक गया बृजेन्द्र जान बचाने के लिए घर से बाहर की तरफ भागा तो आरोपी पिता भी उसे बंदूक लेकर दौड़ा लिया।थोड़ी दूर जाने के बाद

शिवनारायण ने बेटे के सीने में गोली दाग दी। गोली लगते ही बृजेंद्र जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। गोली मारने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। चीख पुकार सुन परिजन भाग कर आए तो देखा बृजेन्द्र खून से लथपथ तड़प रहा था। परिजन आनन फानन में युवक को इलाज के लिए सीएचसी सरायअकिल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही पुलिसकर्मी घटनास्थल भी पहुंचे। जहां पर लोगों से घटना के बारे में पूछताछ की। आरोपी शिव नारायण सिंह की बेटी की भी सोमवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने बगैर पुलिस को सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद बेटे की पिता द्वारा हत्या किए जाने की कड़ीर को को जोड़कर पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई। गांव में भी तरह तरह की चर्चाएं हो रही है। हालांकि मृतका की मां ने बताया कि बेटी की मौत बीमारी की वजह से हुई है।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में होगी सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही के अपूर्ण रहने की वजह से वीडियोग्राफी को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। अदालत भी अब इस मामले में बुधवार को होने वाली सुनवाई में इस पर कोई फैसला ले सकती है। मंगलवार को अदालत की कार्रवाई के बारे में स्पष्ट किया गया कि मुस्लिम पक्ष की वजह से ज्ञानवापी बैरिकेडिंग के भीतर वीडियोग्राफी पूरी नहीं हो सकी है। इसके साथ ही हिंदू पक्ष की ओर से तहखाने की जांच करवाने की मांग भी की गई है। अब आज बुधवार को मुस्लिम पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर बदलने और ज्ञानवापी में वीडियोग्राफी का कार्य पूर्ण कराने सहित तहखाने को लेकर सुनवाई होनी है।

आवास लाभार्थी के खाते में नहीं आया धन,ग्राम विकास अधिकारी पर लग रहा आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के सराय आनादेव गाँव में ग्राम विकास अधिकारी ने लाभार्थी को अंतिम किश्त का आवास का धन भी नहीं दिया और न ही मजदूरी। रिपोर्ट में उसने भुगतान दर्शाया है जिससे लाभार्थी सकते में है। योगी सरकार में भले ही पारदर्शिता एवं ईमानदारी की डींग मारी जा रही हो लेकिन कुछ ग्राम विकास अधिकारी ऐसे हैं जो सरकार की आँखों में धूल झोंकने में लगे हुए हैं।वे आवास में आए हुए धन को लाभार्थी के बजाय स्वयं डकारने में लगे हुए हैं। ऐसा ही एक मामला विकास खंड लक्ष्मणपुर के सराय आना देव गाँव का मिला है जिसमें सुनीता देवी पतनी नंदकिशोर का आरोप है कि उनकी अंतिम किश्त की ?10000/ उन्हें अभी तक नहीं मिली,न ही 90 दिन की उन्हें मजदूरी दी गई है।वह जॉब कार्ड धारक है। जब इस संबंध में गाँव के ही अशोक कुमार सिंह उर्फ राजू ने अधिकारियों से शिकायत की तो इस ग्राम पंचायत का ग्राम विकास अधिकारी अनुराग यादव ने रिपोर्ट लगा दिया कि उन्हें अंतिम किश्त की दस हजार दी जा चुकी है और मजदूरी भी भुगतान कर दिया गया है जबकि अशोक कुमार सिंह का कहना है कि जिस जॉब कार्ड संख्या धारक को मजदूरी के भुगतान को ग्राम विकास अधिकारी ने दर्शाया है वह दूसरे का जाब कार्ड है। सुनीता अनुसूचित जाति की हैं जबकि जिसके खाते में मजदूरी का भुगतान दिखाया गया है वह सामान्य जाति का है। इस प्रकार यह ग्राम विकास अधिकारी अनुसूचित जाति के अधिकार पर डाका डाल रहा है। साथ ही शासन और प्रशासन की आँख में भी धूल झोंक रहा है। अशोक कुमार सिंह का कहना है कि ऐसे ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध तत्काल दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए। उनका यह भी कहना है कि वही आरोपी है और वही जाँचकर्ता भी है।

कचरा उठाने वाले बेघर लोगों को दिये जायं राशनकार्ड -जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा कचरा उठाने वाले बेघर नागरिकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराये जाने हेतु वेब पोर्टल पर पंजीकरण की व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी है। उन्होने कहा कि ऐसे नागरिक जिनके पास कोई आवास नही है तथा आश्रयहीन जीवन व्यतीत कर रहे है एवं ऐसे व्यक्ति जिन्हें समुचित पहचान पत्र के अभाव में आधार कार्ड उपलब्ध नही है वे खाद्यान्न वितरण की महत्वपूर्ण योजना से वंचित हो जाते है उनके लिये राशन कार्ड उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। उन्होने बताया है कि राशन कार्ड निर्गमन हेतु आधार कार्ड एक अनिवार्य दस्तावेज है। उन्होने समस्त उपजिलाधिकारियों, समस्त अधिशासी अधिकारियों, जिला पूर्ति अधिकारी, समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं समस्त पूर्ति निरीक्षक को निर्देशित किया है कि सर्वप्रथम ऐसे वंचित व्यक्तियों के प्राथमिकता के आधार पर आधार कार्ड जारी किये जाये। आधार कार्ड निर्गत करने के लिये पहचान हेतु मान्य दस्तावेजों का प्रयोग किया जाये। अन्य दस्तावेजों के साथ-साथ यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित प्रारूप पर राजपत्रित अधिकारी अथवा तहसीलदार, मान्यता प्राप्त आश्रय गृहों अथवा अनाथालयों के अधीक्षक/वार्डेन, आश्रय गृहों की संस्था के प्रमुख, ग्राम पंचायत के प्रमुख अथवा मुखिया अथवा उसके समकक्ष अधिकारी द्वारा निर्गत फोटोयुक्त प्रमाण पत्र भी पहचान पत्र के रूप में मान्य होगें। पात्र व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पहचान पत्र सुलभ कराते हुये आधार कार्ड निर्गत किये जाने की कार्यवाही की जाये, तदोपरान्त आधार कार्ड के आधार पर राशन कार्ड भी निर्गत किये जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि राशन कार्ड निर्गत करने की कार्यवाही के क्रम में सर्वप्रथम अनेक सार्वजनिक स्थलों जैसे धार्मिक स्थल, पार्क, महत्वपूर्ण स्थल जहां आम जनमानस बहुतायत में आते हो, चौराहों, कचरा पात्रों, कचरा गिराने के स्थानों अथवा अन्य स्थानों पर रहने वाले ऐसे व्यक्ति जो पात्र हो किन्तु खाद्यान्न से वंचित हो का सत्यापन करते हुये चिन्हित कराने की कार्यवाही की जाये। चिन्हांकन के पश्चात् प्राथमिकता के आधार पर ऐसे व्यक्तियों के आधार कार्ड जारी कराये जायें। चिन्हांकन एवं आधार कार्ड जारी करने का उत्तरदायित्व सम्बन्धित उपजिलाधिकारी का होगा। इस कार्य में गैर सरकारी संगठन, मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संगठनों, आम जनमानस का भी सहयोग लिया जाये। उन्होने बताया है कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति जो पात्र होते हुये भी खाद्यान्न वितरण की महत्वपूर्ण योजना के लाभ से वंचित है तो उसके सम्बन्ध में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भी हेल्पलाइन नम्बर 1800-1800-150 पर सूचना दी जा सकती है। उन्होने निर्देशित किया है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

भारतीय रेल के पूर्वोत्तर रेलवे ने बच्चे,वृद्ध भूले विखरे को सुरक्षित जगह भेज उनके परिजनों से मिलाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। देश मे विभाग तो अनेक है और सभी विभाग के अधिकारी से लगायत अदना कर्मचारी को काम-काज करने के तौर-तरीके अलग-अलग है।किन्तु भारतीय रेल मे पूर्वोत्तर रेलवे का काम करने के तरीके कुछ अलग ही जिसने पूछताछ मे बताया कि उसके परिजन गोरखपुर स्टेशन पर छूट गये हैं। बच्चे को चाईल्ड लाईन, भटनी को सुपुर्द कर दिया गया। गाड़ी संख्या 14612 एवं 15038 से एक-एक लावारिस बैग बरामद किया गया। यात्रियों के उपस्थित होने पर बैग को सुपुर्द किया गया। गाड़ी सं. 12554 से सदस्यों को गाड़ी सं. 15104 से एक वृद्ध व्यक्ति आयु 70 वर्ष मिला। पूछताछ के उपरान्त व्यक्ति को उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। गाड़ी सं. 15010 से स्कार्ट पार्टी के सदस्यों ने एक लावारिस बैग बरामद किया। यात्री के उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। स्टाफ

है। जहा अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी काफी कर्तव्यनिष्ठ है।ऐसे मे पूर्वोत्तर रेलवे ने अपने एक पखवाड़े मे भूले विखरे बच्चे व वृद्ध को सुरक्षित स्थान पर भेज उनके परिजनो से मिलाने का नेक पहल किया।यही नही फर्जीवाड़े मे एक गिरोह को भी पकड़ा जो फर्जी आईडी पर टिकट बनाकर मनमानी घन उगाही करने मे मशलूग थे। इस दौरान पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गोरखपुर के एक विज्ञप्ति के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में विगत6 मई, 2022 को स्टेशन मास्टर गोविन्द।नगर को एक लड़की उम्र 15 वर्ष लावारिस हालत में मिली, जिसे रेलवे सुरक्षा बल बस्ती को सुपुर्द किया।पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाईल्ड लाईन बस्ती को सुपुर्द किया गया। आईवीजी/मुख्यालय, गोरखपुर के सदस्यों ने सीवान स्थित आनन्द कम्प्यूटर के संचालक को 18 अदद अवैध रेलवे ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार कर रेल अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया। गाड़ी सं0 11082 से रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट पार्टी को एक बच्चा आयु 10 वर्ष मिला 08 अदद अंग्रेजी शराब से भरी एक लावारिस बैग बरामद किया जिसे अग्रिम कार्यवाही हेतु राजकीय रेलवे पुलिस छपरा को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल लालकुआँ को लालकुआँ रेलवे स्टेशन कैंटीन से यात्री का छूटा एक मोबाईल बरामद किया गया। यात्री के उपस्थित होने पर मोबाईल को उसे सुपुर्द किया गया। 07 मई, 2022 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर के बल सदस्यों को गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 02 पर एक लड़की आयु 16 वर्ष घबराई हुयी मिली। पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाईल्ड लाईन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को सरकुलेटिंग एरिया से एक लावारिस लेडिज पर्स मिला। यात्री के उपस्थित होने पर पर्स को उसे सुपुर्द किया गया। 08 मई, 2022 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ को लखनऊ सिटी स्टेशन से 02 नाबालिग बच्चे आयु 12 एवं 08 वर्ष एवं एक विक्षिप्त युवक आयु 25 वर्ष लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त लडके को चाईल्ड लाईन लखनऊ को सुपुर्द किया गया तथा युवक को उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी के बल आईबीजी/ मुख्यालय गोरखपुर ने सिवान स्थित अर्जुन कम्प्यूटर के संचालक को उसके व्यक्तिगत आईडी पर बने 21 अदद अवैध ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार कर रेल अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया गया। पंकज कुमार सिंह मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी के मुताबिक परिचालनिक कारणो से गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेषन/षार्ट ओरिजिनेषन निमन्वत रहेगा।शार्ट टर्मिनेषन-30 मई, 2022 तक टनकपुर से प्रस्थान करने वाली 15074 टनकपुर-सिंगरौली एक्सप्रेस चोपन स्टेषन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी चोपन-सिंगरौली के मध्य निरस्त रहेगी। 31 मई, 2022 तक टनकपुर से प्रस्थान करने वाली 15076 टनकपुर-शक्तिनगर एक्सप्रेस चोपन स्टेषन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी चोपन-शक्तिनगर के मध्य निरस्त रहेगी। शार्ट ओरिजिनेषन- 31 मई, 2022 तक सिंगरौली से प्रस्थान करने वाली 15073 सिंगरौली-टनकपुर एक्सप्रेस सिंगरौली के स्थान पर चोपन से चलायी जायेगी। 01 जून, 2022 तक शक्तिनगर से प्रस्थान करने वाली 15075 षक्तिनगर-टनकपुर एक्सप्रेस षक्तिनगर के स्थान पर चोपन से चलायी जायेगी।

गजब के ग्रा0 वि0अ0एवं प्रधान, ग्राम चमरूपुर शुक्लान,एक ही काम का दो बार भुगतान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान में प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी शासन के धन को लूटने में लगे हुए हैं।वे एक ही कार्य का दो बार का भुगतान करवा कर अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं।इस ग्राम पंचायत के पवन कुमार शुक्ल गोलू एवं आशुतोष ओझा ने एक विज्ञप्ति ने बताया कि इस ग्राम पंचायत की प्रधान निर्मला देवी हैं लेकिन पूर्व प्रधान का बेटा और वार्ड संख्या 12 का सदस्य का पति राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजा मौर्या स्वजातीय ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सुधाकर मौर्य एवं प्रधान के साथ मिलकर कर रहा ग्राम निधि का गबन कर रहा है।वह मनमानी तथा भ्रष्टाचार से इस ग्राम पंचायत के धन को खोखला कर रहा है।ग्रामीणों को लाभ न देकर वह स्वयं और स्वयं के परिवार व सजातीय लोगों को शासन का धन लूटा रहा है। उसने वर्ष 2021-22 में कार्य संख्या 54 645600 पंचायत भवन मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के नाम पर लगभग 14 लाख रुपए निकाल कर शासन के निर्देशों तथा गाइडलाइन का खुला उल्लंघन करते हुए पंचायत भवन में शौचालय एवं इंटरलॉकिंग कार्य के भुगतान हेतु अलग-अलग बाउचर क्रमांक एवं अलग-अलग तारीखों में लगभग ?623000रु का गबन किया गया है। ग्राम विकास अधिकारी एवं तथाकथित प्रधान व प्रधान ने वाउचर क्रमांक-/2021-22//4, दिनांक-21/02/2022 राशि रु 207683/-वाउचर क्रमांक-2021-22 /5 दिनांक 22/02/2022 राशि 207683/-तथा वाउचर क्रमांक5-2021-22 / 6 दिनांक 14-03-2022 राशि 207683/-रुपए का घोटाला किया।बिना जियो टैगिंग कराए ही काम करवाया गया है।वर्ष2021- 22 में पक्की सड़क से डाकखाना तक इंटरलॉकिंग निर्माण तथा मजदूरी कार्य को पूर्ण दिखाते हुए फर्जी स्थल की फोटो अपलोड कर जियो टैग कराते हुए सरकारी धन का गबन किया गया जबकि कार्यस्थल पर कार्य ही नहीं हुआ था, ग्रामीणों द्वारा दिनांक 30- 3-2022 को इसकी जाँच हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया।तब आनन फानन में गुणवत्ता एवं मानक विहीन इंटरलॉकिंग कार्य कराया गया। वार्ड सदस्य पति राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजा मौर्य ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा प्रधान की मिलीभगत से ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान वर्ष 2021-22 की कार्य योजना में ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान से अलग हटकर अन्य ग्राम पंचायतों यथा मतूपुर बोझी, सँडवा दुबान आदि ग्राम पंचायतों के कार्यों को कार्य योजना में अंकित कराकर घोटाला और गबन करने हेतु उच्च अधिकारियों से कार्यों की संस्तुति/अनुमोदन भी प्राप्त किया है जो कि सर्वथा विधि विरुद्ध एवं आपत्तिजनक है। संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी सुधाकर मौर्य का ग्राम सचिवालय में बैठने एवं प्रवास का दिवस तथा समय एवं मोबाइल नंबर ग्राम पंचायत सचिवालय में सार्वजनिक तौर पर अंकित न होने के कारण उनके इशारे पर उपरोक्त दबंग बिचौलियों के द्वारा गरीब जनता का अनवरत शोषण किया जा रहा है।ग्रामीण जनता मृत्यु प्रमाण पत्र, कुटुंब रजिस्टर की नकल, एवं अन्य प्रमाण पत्रों हेतु दर-दर भटकती है।भ्रष्टाचार एवं शोषण का आलम तो यहाँ तक है कि वार्ड सदस्य प्रति राजेंद्र मौर्य उर्फ राजा मौर्य एवं सजातीय ग्राम पंचायत अधिकारी सुधाकर मौर्य की मिलीभगत से दलित महिला प्रधान के संयुक्त बैंक खातों में एवं प्रधान के लेटर पैड पर उक्त राजा मौर्य का मोबाइल नंबर अंकित है हजोकि सरकार की महिला सशक्तीकरण की नीति एवं पारदर्शी शासन की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही है। ग्राम पंचायत के पवन कुमार शुक्ल,आशुतोष ओझा,संतोष मिश्रा, सोभनाथ गौतम,ज्ञानेंद्र प्रसाद गौतम,मेवा लाल मौर्य,मोनू,विश्वनाथ पटवा,प्रेम चंद्र वैश्य आदि ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सुधाकर मौर्य के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही एवं जाँच कर निलंबन करने तथा वार्ड सदस्य पति राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजा मौर्य एवं प्रधान के बिचौलियों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही करने की माँग की है।इस संबंध में सुधाकर मौर्य से बात की गई तो उन्होंने कहा कि कुछ बाउचर भूल से दो बार चढ़ गए हैं।जब उनसे प्रधान का नाम पूछा गया तो उन्होंने प्रधान का नाम राजा मौर्य बताया। इससे लगता है कि ग्राम विकास अधिकारी एवं राजा मौर्य की मिलीभगत से न केवल शासन के धन का गबन किया जा रहा है बल्कि एक दलित प्रधान के अधिकारों से उसको वंचित करके उसका शोषण किया जा रहा है।दलित प्रधान को फोन करने पर राजा मौर्य फोन उठाता है क्योंकि यह फोन उसी का है जिससे प्रधान से बात नहीं हो पाती है।प्रधान पति मानिकचंद से बात करने पर वह भी राजा मौर्य को फोन दे देता है और कहता है कि आप इनसे बात कीजिए।इससे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि इस ग्राम पंचायत में गड़बड़ जरूर है। आशुतोष ओझा ने 22 सितंबर 2021को जन सूचना अधिकार के तहत सूचनाएं माँगी थी जिसे उसने आज तक नहीं प्रदान किया जिससे यह बात और सिद्ध हो जाती है कि इस ग्राम पंचायत में गबन किया गया है।साथ ही योगी सरकार के पारदर्शी शासन पर एक सवालिया निशान है।

चोरों ने मोटरसाइकिल पर किया हाथ साफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला(सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा-कोटा मार्ग पर स्थित है।जिसके सिलसिले में वह डहकूडंडी मार्ग के किनारे मोटरसाईकिल को लाक कर खड़ा किया था।इसके बाद कुछ ही दूर पर रहने वाले

डहकूडंडी में लाक कर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी हो गई।घटना बिती रात दो बजे का बताया जा रहा है।जिसकी लिखित तहरीर चोपन थाने में मोटरसाईकिल मालिक निखिल कुमार निवासी कोटा द्वारा मंगलवार को दिया गया।निखिल ने बताया कि डहकूडंडी क्षेत्र में चल रहा मार्ग निर्माण कार्य में वह साईड़ इन्चार्ज के रूप में काम करता कामगारो से मिलने गया था।जब वह वापस लौटा तो मोटरसाईकिल डहकूडंडी से गायब था।जिसकी तलास उसने आसपास के इलाके में करने के साथ ही कई लोगो से भी पूछताछ किया ।लेकिन चोरी गई मोटरसाईकिल का कहीं पता नहीं चला।जिसके बाद उसने चोपन थाने में मोटरसाईकिल चोरी होने की घटना का लिखित तहरीर दिया है।

किन्नरों का हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष द्विवेदी

सीतापुर ।हरगांव क्षेत्र के अंतर्गत किन्नरों के साथ मारपीट व अश्लीलता काजल किन्नर निवासी मोहल्ला जलालीपुर हरगांव आज सुबह बधाई लेने के लिए ग्राम ददवारा गई हुई थी जहां पर जनातियों ने किन्नरों के साथ में अश्लीलता एवं मारपीट की और किन्नरों का सामान भी छीन लिया जिसको लेकर किन्नरों ने थाना हरगांव में लिखित में प्रार्थना पत्र दिया कार्रवाई ना होने पर किन्नरों ने सीतापुर लखीमपुर मार्ग जाम कर दिया जो लगभग 20 मिनट तक किन्नरों ने रोड पर अर्धनगन होकर हंगामा किया उसके बाद थाना प्रभारी ब्रजेश त्रिपाठी हरगांव ने आश्वासन दिया है की जांच कर उचित कार्रवाई होगी दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मजदूरों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

शक्तिनगर (सोनभद्र) । खड़िया परियोजना में कार्य कर रही आउटसोर्सिंग बीजीआर कंपनी के सैकड़ों मजदूरों ने मंगलवार को सीजीएम आफिस का घेराव किया। श्रमिकों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। विभिन्न मांगों को रखते हुए सीजीएम से वार्ता की। मजदूरों ने बताया कि वर्ष 2017 में किए गए कार्य का ईएल और सीएल देने की बात कंपनी प्रबंधन द्वारा कहा गया था। लेकिन पांच वर्ष गुजर जाने के बाद भी यह लाभ नहीं दिया गया। वर्ष 2019 से 2021 का बोनस, रविवार के कार्य का डबल हाजिरी, गत वर्षों के अवकाश की धनराशि समेत ग्रेच्युटी नही दी गई है। समस्याओं को लेकर सीजीएम से हुई वार्ता के बाद आश्वासन दिया गया कि नियमानुसार मजदूरों को लाभ दिया जाएगा। लेकिन श्रमिक लिखित आश्वासन नहीं मिलने पर असंतुष्ट नजर आए। वे अपने हक की लड़ाई को लेकर आगे की रणनीति तैयार कर रहे है। वार्ता के दौरान दुद्धी विधानसभा की पूर्व विधायिका रूबी प्रसाद भी मौजूद रहीं।

नदी में तापीय परियोजना का राख गिरता देख टीम ने जताई नाराजगी

ओबरा (सोनभद्र) । जनपद में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने तीन सदस्यीय टीम गठित की है। टीम सोनभद्र में स्थापित सभी कल कारखाने, बिजली घर एवं खदानों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण को देने को कहा है। जिसके क्रम में मंगलवार को गठित तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय टीम ओबरा तापीय परियोजना सहित क्रशर एवं खदान क्षेत्रों का निरीक्षण किया। टीम सबसे पहले ओबरा तापीय परियोजना के राख निस्तारण के लिए रेणुका नदी पार बने चकाडी ऐश डैम का निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व कर रहे आरडी पाटिल ने बताया कि तापीय परियोजना द्वारा राख निस्तारण के लिए बनाए गए एसटीपी संयंत्र ठीक से कार्य नहीं कर रहे हैं। परियोजना द्वारा निस्तारित राख पाइप एवं नालों के द्वारा सीधे रेणुका नदी एवं सोन नदी के पानी में घुल रहे हैं। इस वजह से आम आदमी के साथ साथ पशु पक्षी एवं जलीय जीव जंतु के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है, जो उचित नहीं है। श्री पाटिल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बहुत ज्यादा मात्रा में ऐश नदी के पानी में में जा रहा है।

डीएम ने किया कान्हा उपवन एवं निराश्रित गौवंश आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण

आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष द्विवेदी

सीतापुर ।जिलाधिकारी अनुज सिंह ने मंगलवार को बट्सगंज स्थित एवं नगर पालिका परिषद सीतापुर द्वारा संचालित कान्हा उपवन एवं निराश्रित गौवंश आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। जिलाधिकारी ने चारे की उपलब्धता, पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छता व्यवस्था आदि का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बायोगैस से संचालित जनरेटर को भी देखा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि स्वच्छता के पर्याप्त प्रबंध के साथ सप्ताह में एक बार चूने का छिड़काव सुनिश्चित किया जाये। खली, चोकर एवं भूसी का भी पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित किया जाये। आश्रय प्राप्त कर रहे गौवंश के लिये पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ उनके बच्चों के लिये भी पर्याप्त देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

नकली शराब बिक्री की रोकथाम के लिए जांच, दुकानदारों को स्कैन मशीन

मीरजापुर । उप आबकारी आयुक्त एसपी चौधरी के नेतृत्व में सोमवार को जिला पंचायत सभागार में बैठक हुई। इसमें जिले के 308 दुकानदारों को पीओएस मशीनें वितरित की गई। यह मशीन मिलने के बाद अब दुकानदार ग्राहकों को शराब बेचने से पहले उस बोतल व केन का स्कैन करेंगे, इसके बाद ही उनको शराब देंगे। कंपनी की बोतल होगी तो वह मशीन स्कैन करेगी अन्यथा लोकल होगी तो मशीन स्कैन नहीं करेगी। जिला आबकारी अधिकारी नीरज दूबे ने बताया कि शराब की दुकानों पर नकली शराब की बिक्री न की जाए इसके लिए सरकार ने पारदर्शिता लाने के लिए सभी दुकानों पर पीओएस मशीन रखने को कहा है। इस मशीन से सभी दुकानदार अपने यहां मौजूद शराब की बिक्री करते समय उस बोतल पर छपे बारकोड के नंबर को स्कैन करेंगे। इसके बाद ग्राहक को दे देंगे। इसके लिए सभी को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके बाद किसी दुकान पर चेकिंग के दौरान नकली शराब पकड़ी गई तो उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए जुर्माना भी वसूल किया जाएगा। बताया गया कि अब दुकान पर आने वाली प्रत्येक की शराब की बोतल का टैग करना होगा। इसके बाद बेची गई शराब का रिकार्ड रखना होगा। जिसका डाटा शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। इसलिए कोई भी दुकानदार नकली शराब बेचने का कार्य न करें।

हीट वेव से बचाव के लिए तैयारियों की समीक्षा, प्रचार-प्रसार पर जोर

चुनार (मीरजापुर) । हीट वेव के बचाव के लिए व्यापक चर्चा व तैयारी के लिए नरायनपुर ब्लाक के वीसी रूम में सोमवार की शाम बीडीओ पवन कुमार सिंह की अध्यक्षता में ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें गर्मी के मौसम में चल रही लू से आमजन के साथ पशुओं को बचाने के लिए तैयारी की समीक्षा की गई। बीडीओ ने बताया कि बैठक में आए सुझावों का प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। बीडीओ ने हीट वेव के बचाव के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. राकेश पटेल ने कहा कि लू व गर्मी के ष्टिगत विद्यालयों के संचालन के समय में परिवर्तन कर सुबह सात से पूर्वाह्न 11 बजे तक किया जाए। लू से बचाव के लिए लोग खाली पेट धूप में न निकलें और बच्चों का बचाव अवश्य करें। स्वास्थ्य व आंगनबाड़ी केंद्र पर ओआरएस पैकेट की समुचित व्यवस्था करने को कहा। वहीं पशु चिकित्साधिकारी ने ग्रामीण स्तर पर पशुओं के लिए पानी का समुचित प्रबंध करने के लिए स्थान चयनित करने को कहा। अन्य कई बिदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान एडीओ एजी केके सिंह, जेई एमआइ अरुण गिरि, बेसिक शिक्षा विभाग के चंद्रशेखर आदि थे।

कैबिनेट के फैसले से म्योरपुर हवाई अड्डे को मिलेगी नई उड़ान

सोनभद्र । भारतीय विमानन प्राधिकरण व उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कैबिनेट बैठक में अहम समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत प्रदेश के पांच छोटे हवाई अड्डों का रखरखाव अगले तीस वर्ष तक भारतीय विमानन प्राधिकरण करेगा। इसमें सोनभद्र का म्योरपुर हवाई अड्डा भी शमिल है। म्योरपुर हवाई पट्टी का विस्तारीकरण केंद्र व प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में है। इसलिए एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के कार्यों में तेजी लाकर अक्टूबर 2021 तक पूरा करने पर जोर दिया गया था। इस बीच भूमि विवाद का मामला कोर्ट में जाने के कारण इसमें व्यवधान आ गया। जिसके बाद प्रशासनिक टीम ने विवादित भूमि को छोड़कर बची भूमि पर निर्माण कार्य को लगभग पूरा कर लिया है। जिसमें रन-वे व टर्मिनल शामिल है। इसके अलावा चहारदीवारी, बिजली, पानी, पंप हाउस, बोरिंग, सड़क, विस्तारीकरण क्षेत्र के बिजली के पोल हटाने, परिसर का समतलीकरण, वैकल्पिक मार्ग डायवर्जन के साथ ही सभी कार्यों को लगभग पूरा कर लिया गया है। चार प्रदेश के लोगों को होगा लाभ म्योरपुर के हवाई पट्टी के विस्तार के बाद जनपद के अलावा तीन राज्यों के चार जिलों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसके बनने से छत्तीसगढ़ के बलरामपुर, झारखंड का गढ़वा व मध्य प्रदेश का सिगरौली व सीधी जिले के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। हवाई पट्टी पर नियमित हवाई जहाज न आने के कारण यहां के लोगों को वाराणसी जाना पड़ता है। विस्तारीकरण से बढ़ेगी क्षेत्रीय कनेक्टविटी हवाई पट्टी के रन-वे को चौड़ा करने का काम अंतिम चरण में है। भारत सरकार की रीजनल कनेक्टविटी स्कीम में शामिल म्योरपुर हवाईपट्टी से जल्द उड़ान शुरू हो, इसके लिए तेजी से काम चल रहा है। यहां मूलभूत जरूरतों को पूरा करके शीघ्र उड़ान शुरू की जाएगी। इसके बाद अन्य व्यवस्थाओं का भी विस्तार होगा। 100 शीटर कामशिऱ्यल विमान भरेंगे उड़ान म्योरपुर हवाई पट्टी का विस्तारीकरण के बाद 100 सीटर विमान का आवागमन किया जाएगा। विमान रन-वे पर आसानी से आ-जा सकें, इसके लिए रन-वे की चौड़ाई को बढ़ाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। पहले यह चौड़ाई 60 मीटर थी, लेकिन विमान का आकार बढ़ने के बाद जिला प्रशासन ने 150 से 250 मीटर चौड़ाई बढ़ाने पर काम किया है। म्योरपुर हवाई अड्डे का निर्माण कार्य पूरी गति से चल रहा है। आगामी दिनों में यहां से उड़ान शुरू करने की कार्य योजना पर कार्य किया जा रहा है। रन-वे और टर्मिनल का कार्य पूरा हो चला है।

समाज को सशक्त बनाने वाली महिलाओं को नारी रत्न सम्मान

मीरजापुर । मातृ दिवस पर प्रजापिता ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। इन सभी विशिष्ट महिलाओं को नारी रतन से सम्मान से विभूषित किया गया मुख्य अतिथि आर्ट आफ लिविग की शिक्षिका रजनी गुप्ता और डीपी बजाज स्कूल की निदेशक ज्योति बजाज ने उत्साहवर्धन किया। अध्यक्षता ब्रहमकुमारी के पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल जोन की जोनल हेड राजयोगिनी ब्रहम कुमारी सुरेंद्र दीदी ने की। संचालिका ब्रहम कुमारी बिदू दीदी ने आभार जताया। पद्मश्री अजीता श्रीवास्तव, सत्या शर्मा, इंदू गुप्ता, रंजना जायसवाल, शांति देवी, संध्या पाठक, पूर्णिमा सिंह, शिखा मिश्रा, ब्र.कु. राधा बहन को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रभु स्मृति से किया गया। कुमारी नैन्सी, मानसी, ब्रहम कुमारी नेहा बहन ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। आरती ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

जांच में दो अधिकारी मिले अनुपस्थित, मांगा स्पष्टीकरण

मीरजापुर । जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने सोमवार शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास परक योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों से कहा कि वे तैनाती स्थल के मुख्यालय पर ही रात्रि निवास करें। बिना अनुमति के जनपद न छोड़ें। अनुपस्थित मिलने पर कड़ी कार्रवाई होगी। 50 लाख से ऊपर के निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान अलग-अलग बुकलेट में अलग-अलग प्रगति रिपोर्ट मिलने पर नाराज हुए। उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि पीडब्लूयूडी की ओर प्रायः बुकलेट में प्रगति रिपोर्ट गलत होती है, ऐसे में इनके विरुद्ध प्रमुख सचिव लोक निर्माण को पत्र लिखकर अवगत कराएं। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि ऐसे क्षेत्रों हैं उन्हे तत्काल पूर्ण कराएं। जल निगम की ओर से उन्हें बताया गया कि विन्ध्याचल में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 26.6 किलोमीटर पाइप लाइन के सापेक्ष 22.85 किलोमीटर बिछा दी गई है। इसके अलावा 2353 घरो में कनेक्शन भी दे दिया गया है। कार्यदायी संस्था पर दर्ज कराएं एफआइआर 50 लाख से ऊपर के निर्माणाधीन परियोजनाओं में मेडिकल

कालेज, पर्यटन विकास, ड्रग वेयर हाउस आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। धनराशि प्राप्त होने के बाद भी प्रगति न लाने पर जिलाधिकारी ने यूपी सिडको के प्रति नाराजगी व्यक्त की। कहा कि शासन से इसको अवगत कराया जाएगा। इस दौरान पैक्स पेड के कार्यों में भी शिथिलता मिली। राजकीय माडल स्कूल बैरमपुर व महामलपुर पर कार्य अधूरा होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक को कड़ा संदेश दिया कि कार्यदायी संस्था के विरूद्ध दो दिवस के अंदर एफआइआर दर्ज कराएं। को समय से पूर्ण करें। गुणवत्ता में कमी मिली तो सख्ती की जाएगी। बैठक में अधीक्षण अभियन्ता विद्युत तथा बाण सागर विभाग से किसी भी अधिकारी के उपस्थित न होने पर जिलाधिकारी नाराज हुए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगे। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागों के मुख्यालय से 100 दिन की कार्ययोजना दी गई है। सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अंदर गुणवत्तापरक कार्य संपनन्न हो। लोक निर्माण विभाग जहां हैंडपंपों में पानी का स्तर नीचे चला गया है, वहां टैंकरो की व्यवस्था करें। अधूरे सामुदायिक शौचालयों को 15 दिन के अंदर पूर्ण कराएं। लघु सिचाई के अधिकारियों ने डीएम को बताया कि 230 तालाबों के लक्ष्य के सापेक्ष 199 को पानी से भर दिया गया हैं। विद्युत विभाग की समीक्षा में कहा कि समस्त सरकारी विभाग विद्युत बिल को जमा करने के लिए बजट की मांग कर लें। सेतु निगम की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन परियोजनाओं पर 85 प्रतिशत से ऊपर कार्य हो चुके

कार्य में लापरवाही बरतने पर लेखाकार का डीएम ने रोका वेतन

सोनभद्र । जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने मंगलवार को कैंप कार्यालय में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन न्यास फंड में जमा धनराशि का सदुपयोग खनन क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों के विकास के लिए किया जाय। बैठक के दौरान उन्होंने कार्य में शिथिलता बरतने पर जिला पंचायत के लेखाकार का वेतन रोकने का निर्देश संबंधित को देते हुए कहा कि समयावधि के अंदर हर हाल में कार्य पूर्ण कराया जाए। अन्यथा की दशा में संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार से जिला खनिज फाउंडेशन न्यास फंड से विभिन्न प्रकार के कराये जा रहे निर्माण कार्य को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिन एजेंसी व विभाग को धनराशि प्राप्त हो चुकी है, वो बरसात होने के पहले कार्य पूर्ण करें। अधिक लागत की धनराशि से जो निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, उसे जल्द से जल्द पूरा कराएं। जरूरत पड़ने पर मशीनों या फिर संसाधनों को बढ़ाया जाय, जिससे कार्य में तेजी लायी जाये। कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें संबंधित विभाग को हैंडओवर की कार्यवाही की जाए। कराये जा रहे निर्माण कार्यों की फोटोग्राफी कर रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराये गये हैं, उन कार्यों में तेजी लाया जाय। जरूरत के मुताबिक समय से संपादित करने के लिए पूरी कायऱ्योजना बनायी जाय और डीएमएफ में उपलब्ध फंड से प्राप्त होने वाली रकम से खनन क्षेत्रों के सुनियोजित विकास की कार्ययोजना बनायी जाए। पुराने कार्यों को पूरा किया जाए और नये कार्यों को जरूरी-जरूरत के मुताबिक शामिल किया जाय।

कम्पोजिट विद्यालय के प्रभात ने जीता गोल्ड मेडल

मीरजापुर । सिटी ब्लाक स्थित कम्पोजिट विद्यालय मुंहकुचवा के छात्र प्रभात सिंह ने स्टेट चैंपियनशिप एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता यूपी गेम्स डेवलपमेंट एसोसिएशन की ओर से बीते छह और सात मई को हरदोई जनपद में आयोजित किया गया था छात्र प्रभात सिंह अब आगरा में राष्ट्रीय स्तर की आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में 18 से 20 मई को प्रतिभाग करेंगे। प्रधानाचार्य नमिता सिंह, खेल प्रशिक्षक राजेश शर्मा, श्वेता अग्रवाल, मोहिनी, संगीता चौरसिया, मधु चौबे, शिवानी ने पुष्प देकर उत्साहवर्धन करते हुए बधाई दी। गोल्ड मेडल प्राप्त करने से बच्चों में काफी उत्साह रहा।

भारतीय खेल प्रेमियों के लिए सरकार का तोहफा, डीडी स्पोर्ट्र्स पर ले सकते हैं भारत के सभी टेस्ट मैचों का आनंद

नई दिल्ली। कई बार खेल प्रेमियों की शिकायत रहती है कि वो भारतीय क्रिकेट टीम का मैच नहीं देख पाए क्योंकि ये डीडी स्पोर्ट्स में नहीं आ रहा था लेकिन अब ये बीते दिनों की बात हो सकती है। दरअसल भारतीय खेल प्रेमियों की इसी दुविधा को दूर करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से एक बड़ी खुशखबरी सामने आइ है। दरअसल अब आप भारतीय टीम का कोई भी मैच दूरदर्शन नेटवर्क पर देख पाएंगे। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि ऐसे इवेंट जो नेशनल इंपार्टेस के तहत होंगे उनका ब्राडकास्टिंग सिगन्ल प्रसार भारती के साथ साझा करना अनिवार्य होगा। मार्च 2021 में जारी की गई अधिसूचना में सभी ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों को नेशनल इंपार्टेस इवेंट के रूप में घोषित किया गया था क्रिकेट श्रेणी की बात करें तो इसमें भारतीय टीम द्वारा खेले गए सभी वनडे, टी20 मैच और टेस्ट मैच शामिल होंगे। इसमें मेंस और वुमेंस दोनों टीमें शामिल है। इसके अलावा आइसीसी द्वारा आयोजित टेस्ट मैच जिसमें भारतीय टीम शामिल हो या फिर क्रिकेट वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल और फाइनल मैच इस श्रेणी के तहत आएंगे। इसके अलावा आइसीसी चैंपियंस ट्राफी (वनडे) के सभी सेमीफाइनल और फाइनल, आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के सभी सेमीफाइनल और फाइनल, आइसीसी मेंस और वुमेंस एशिया कप (टी20 और एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय) के सेमीफाइनल और फाइनल; और अंडर-19 विश्व कप के मैच, सेमीफाइनल और फाइनल मैच को इस सूची में शामिल किए गए हैं। टेनिस श्रेणी में डेविस कप और ग्रैंड स्लैम के मेंस और वुमेंस फाइनल मैच या फिर क्वार्टर फाइनल के बाद वो सभी मैच जिसमें भारतीय खिलाड़ी खेलेंगे। हाकी की बात करें तो वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्राफी के वो सभी मैच जिसमें भारतीय टीम खेलेगी नेशनल इंपार्टेस के तहत माने जाएंगे। इसी प्रकार बैडमिंटन में आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के वो सभी मैच जिसमें भारतीय टीम खेलेंगे।

आई0पी0एल0 2022 को मिली प्लेआफ की पहली टीम, धमाकेदार जीत के साथ गुजरात ने बनाई जगह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में 57वें मुकाबले के बाद प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली के नाम पर से पर्दा हट गया। पहली बार टूर्नामेंट में शामिल की गई गुजरात टाइटंस की टीम ने मंगलवार को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिसेशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को मात देकर यह खास उपलब्धि हासिल की। 12 मुकाबले के बाद 9 जीत से 18 अंक लेकर टीम टेबल टाप करते हुए प्लेआफ का टिकट पक्का किया मंगलवार को आइपीएल में इस सीजन की दो टाप टीमों के बीच मुकाबला था। इस मैच से पहले लखनऊ और गुजरात दोनों ही टीम के पास 8 जीत के बाद 16-16 अंक थे। मुकाबले में जीत हासिल करने वाली टीम को मिलने वाला था प्लेआफ में पहुंचने वाली टीम बनने का मौका। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। 4 विकेट के नुकसान पर टीम ने 144 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की पूरी टीम 13.5 ओवर में महज 82 रन पर सिमट गई और 62 रन से मुकाबला अपने नाम कर गुजरात ने प्लेआफ में जगह बनाई। इस मैच में ओपनर शुभमन गिल ने 49 गेंद पर 7 चौके की मदद से नाबाद 63 रन की पारी खेली। मुश्किल हालात में टीम के लिए अर्धशतक जड़ उन्होंने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। गुजरात के लिए एक बार फिर से गेंदबाजी में राशिद खान का जलवा दिखा। 3.5 ओवर में उन्होंने 24 रन देकर चार विकेट चटकाए। इस सीजन में गुजरात की टीम का प्रदर्शन सबसे ज्यादा शानदार रहा है। 12 मैच खेलने वाली टीम ने अब तक महज 3 मैच में हार का सामना किया है। पहले तीन लगातार मैच जीतने के बाद टीम को पहली हार मिली थी। इसके बाद वापसी करते हुए गुजरात की टीम ने लगातार 5 मुकाबले में जीत हासिल की। पिछले 2 लगातार मुकाबले हारने के बाद यहां पहुंची टीम ने लखनऊ के खिलाफ धमाकेदार वापसी करते हुए प्लेआफ में जगह पक्की कर ली।

18 अंक लेकर गुजरात बनीं प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम, सबसे ज्यादा किस टीम ने किया ऐसा देखिए लिस्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम के नाम का फैसला हो चुका है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने यह खास उपलब्धि हासिल की। मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 62 रन की बड़ी जीत के साथ टीम ने अपने प्लेआफ का टिकट पक्का किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 4 विकेट पर 144 रन बनाए थे जवाब में लखनऊ की पूरी टीम 82 रन पर ही ढेर हो गई। गुजरात टाइटंस की यह टीम इस टूर्नामेंट में अपना पहला सीजन खेलने उतरी है। अब तक कुल 12 मुकाबले खेलने के बाद टीम को 9 में जीत मिली है जबकि 3 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 18 अंक हासिल करने के साथ ही मंगलवार को टीम प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। इसी के साथ टीम ने एक खास लिस्ट में जगह बनाई। पिछले 14 सीजन में सबसे पहले किस टीम ने प्लेआफ का टिकट पक्का किया है इसपर डालते हैं एक नजर। आइपीएल के पिछले 14 सीजन में सबसे ज्यादा बार कौन सी टीम ने सबसे पहले 18 अंक हासिल करने वाली टीम बनी है। इस लिस्ट में चार बार की चैंपियन चेनन्ई सुपर किंग्स का नाम आता है। महेंद्र सिंह धौनी की टीम ने सबसे ज्यादा 5 बार यह कमाल किया है। साल 2011 में पहली बार टीम को यह कामयाबी मिली थी। इसके बाद 2013, 2015, 2019 और फिर 2021 में टीम ने इसे दोहराया। आइपीएल में सबसे पहले 18 अंक हासिल करने वाली टीम साल 2008 राजस्थान रायल्स साल 2009 दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) साल 2010 मुंबई इंडियंस साल 2011 चेनन्ई सुपर किंग्स साल 2012 दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) साल 2013 चेनन्ई सुपर किंग्स साल 2014 किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) साल 2015 चेनन्ई सुपर किंग्ससाल 2016 गुजरात लायंस (अब टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं) साल 2017 मुंबई इंडियंस साल 2018 सनराइजर्स हैदराबाद साल 2019 चेन्नई सुपर किंग्स साल 2020 मुंबई इंडियंस साल 2021 चन्नई सुपर किंग्स साल 2022 गुजरात टाइटंस

संघर्ष कर रही दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ा चैलेंज क्या है

मुंबई। आइपीएल का 15वां सीजन दिल्ली की लिहाज से ज्यादा अच्छा नहीं बीत रहा है और ये टीम संघर्ष करती हुई दिख रही है। इस टीम ने पिछले 11 में से 5 मैच जीते हैं और ये टीम रिषभ पंत की कप्तानी में प्लेआफ तक पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा रही है। हालांकि ये टीम अब तक एक यूनिट के तौर पर प्रदर्शन कर पाने में सफल नहीं रही है ऐसे में इस टीम के सहायक कोच शेन वाटसन ने राजस्थान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम की कमी के बारे में बात की।

जानें कब और कहां देख सकते हैं दिल्ली और राजस्थान के बीच होने वाला ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 58वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रायल्स की टीमें आमने-सामने होंगी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये मैच बेहद महत्वपूर्ण है यदि उसे अपने प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखना है। फिलहाल दिल्ली की टीम 11 मैचों में 5 जीत दर्ज कर 10 अंकों के साथ 5वें नंबर पर हैं। दूसरी तरफ राजस्थान की टीम 11 मैचों में 7 जीत दर्ज कर तीसरे नंबर पर है और उसे बाकी बचे तीन मैचों में केवल दो मैचों में जीत दर्ज करनी है। पिछले मैच में टीम पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराकर यहां पहुंची है। टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा कर रही है ऐसे में दिल्ली के सामने राजस्थान का पलड़ा भारी नजर आता है। यदि आप भी इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते है कब होगा दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच 11 मई, बुधवार को होगा दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच दिल्ली और राजस्थान के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा दिल्ली और राजस्थान के बीच इस मैच का टास दिल्ली और राजस्थान के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। दिल्ली और राजस्थान के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं दिल्ली और राजस्थान के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

चार साल बाद होगा आइपीएल क्लोजिंग सेरेमनी रणवीर सिंह सहित ये कलाकार लेंगे भाग

नई दिल्ली। आखिरकार चार साल के लंबे इंतजार के बाद दर्शकों को आइपीएल क्लोजिंग सेरेमनी देखने का आनंद मिलेगा। हाल ही में बीसीसीआइ की तरफ से एलान किया गया था कि इस बार क्लोजिंग सेरेमनी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कोरोना की विपरीत परिस्थिति के कारण पिछले चार साल से आइपीएल संबंधी किसी भी तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था लेकिन इस बार लगभग सारी तैयारियां की जा चुकी है। इससे पहले 2018 में आइपीएल सेरेमनी आयोजित हुई थी। इसलिए इस बार क्लोजिंग सेरेमनी को बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी की जा रही है। इस बार दर्शकों के लिए इस दिन रणवीर सिंह और एआर रहमान जैसे कलाकार परफार्म करते नजर आएंगे। इसके बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने एक अंग्रेजी वेबसाइट से कहा कि इस कार्यक्रम में भारत के 75 स्वतंत्रता दिवस पूरे होने को भी सेलिब्रेट किया जाएगा। इतना ही नहीं इस कार्यकम में भारतीय क्रिकेट ने बीते 7 दशकों में जो भी हासिल किया है उस सफर पर भी नजर डालेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में फाइनल मैच के साथ, हम एक विशेष शो के साथ भारतीय क्रिकेट सफर को दिखाते हुए, देश की 75वें स्वतंत्रता का जशन मनाएंगे फाइनल के अलावा दो क्वालिफायर मैच की बात करें तो बोर्ड ने ईडेन गार्डन्स का मैदान चुना है।

पानी की बोतल उठाकर थक गया था ये खिलाड़ी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में चेनन्ई सुपर किंग्स की तरफ से खेल रहे श्रीलंका के स्पिनर महीश तीक्ष्णा ने शानदार खेल दिखाया है। पिछले सीजन तक टीम के नेट बालर रहे इस खिलाड़ी ने अपने संघर्ष की कहानी सुनाई। टीम के वीडियो चैट में बताया कि कैसे कभी उनको फिटनेस की वजह से सिर्फ पानी की बोतल उठाने के लिए रखा जाता था। महेंद्र सिंह धौनी के साथ बात करने के बाद उनकी किस्मत बदली और अब वह चेनन्ई टीम का अहम हिस्सा हैं। तीक्ष्णा बोले मैं एक वक्त 117 किलोग्राम (अंडर 19 के दिनों में) का था, इस वजह से मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ी अपने आप को सही वजह में लाने जिससे यो यो टेस्ट में सफल हो जाउं। साल 2020 में मैंने सबकुछ छोड़ दिया और अपनी फिटनेस को जरूरत के मुताबिक सही स्तर पर लाने में कामयाब हुआ। इसके बाद मैंने अपने शरीर पर और भी ज्यादा मेहनत करना शुरू कर दिया साल 2020 में मेरी बात अजंता मेंडिस से हुई थी और साल 2022 में मैंने एमएस धौनी से बात की। मैं पिछले साल चेनन्ई सुपर किंग्स के साथ नेट गेंदबाज के तौर पर साथ में था। मैंने सभी सोचा भी नहीं था कि वो मेरे लिए इस साल नीलामी में बोली लगाएंगे या मुझे चुनेंगे। तीक्ष्णा ने कहा, साल 2017-18 में मैं अंडर 19 टीम में था, लेकिन मुझे खेलने का मौका नहीं मिल पाया क्योंकि फिटनेस टेस्ट में कई बार फेल हो गया। साल 2019 में तीन दिवसीय मुकाबले में मुझे वाटर ब्वाय के तौर पर 10 मैच में रहना पड़ा। इसके बाद ही मुझे समझ आ गया था कि इस तरह से फेल होता रहा तो मुझे दोबारा से पानी की बोलत ही उठानी पड़ेगी। मुझे अपने आप पर भरोसा था और हार ना मानने का जज्बा था इसी वजह से मैं 2022 में यहां पर खड़ा हूं।

टीम इंडिया को झटका सूर्यकुमार यादव हो सकते हैं साउथ अफ्रीका सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में मुंबई इंडियंस की टीम की तरफ से खेल रहे सूर्यकुमार यादव टूर्नामेंट से चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। इस भारतीय बल्लेबाज की चोट गंभीर बताई जा रही है और जानकारी के मुकाबित वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो सकते हैं। भारतीय टीम को घर पर आइपीएल के ठीक बाद यह सीरीज खेलनी है। आइपीएल में मुंबई की टीम का प्रदर्शन इस सीजन बेहद शर्मनाक रहा है। टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार का खेल फिर भी बेहतर नजर आया। इस सीजन में खेले गए 8 मुकाबले में उन्होंने 43 की औसत से कुल 303 रन बनाए है जिसमें 68 रन की नाबाद पारी के साथ 3 अर्धशतकीय पारी शामिल है। मुंबई की टीम ने अपने पिछले 11 मैच में सिर्फ दो में जीत दर्ज करने में कामयाबी पाई है। आइपीएल के इस सीजन का फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाना है। इसके बाद भारतीय टीम घर पर साउथ अफ्रीका के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह मुकाबले 9 जून से 19 जून के बीच खेले जाएंगे। सूर्यकुमार को चोट की वजह से अगले चार हफ्ते तक क्रिकेट के मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है। इस हिसाब से उनके साउथ अफ्रीका सीरीज में खेलने पर संशय है। सूर्यकुमार यादव की बाएं हाथ की मांसपेशियों में चोट लग गई थी और उनकी चोट गंभीर होने की वजह से ही वो सीजन से बाहर हो गए। उन्होंने 6 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले के दौरान ये चोट लगी थी। सूर्य को आइपीएल से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई सीरीज के दौरान चोट लगी थी। चोटिल होने की वजह से वह शुरुआती मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं थे। चोटिल होने की वजह से ही उनको श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा था।

राशिफल

मेष-:ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे. आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लाएगा।

वृष-:आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। यदि आप प्रयास करेंगे तो लगभग सभी किए गए कार्यों से लाभ मिलेगा। ऑफिस में आज आप महसूस करेंगे कि दिन बहुत तेजी से बीत रहा है।

मिथुन-:आज आपको आराम करने और करीबी दोस्तों और परिवार के साथ कुछ खुशी के पल बिताने की जरूरत है. क्रेडिट मांगने वाले लोगों को अनदेखा करें। मुसीबत के समय परिवार से मदद और सलाह मिलेगी।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी कर सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे जल्द ही छोड़ दें। दूसरों से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें।

सिंह-:शक्ति और निडरता के गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में वृद्धि करेंगे. किसी भी तरह की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इस गति को तेज रखें।

कन्या-:आज धन और परिवार के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा. महत्वपूर्ण कार्यों में भाग्य आपका साथ देगा। जिससे आपके सारे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आप अपने लक्ष्य के बहुत करीब रहेंगे।

तुला-:आपके कंधों पर बहुत कुछ टिका हुआ है और निणन्य लेने के लिए स्पष्ट सोच आवश्यक है. बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक-:आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है. आपको आपके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा सकता है। पारिवारिक कार्य के लिए कोई भी निणन्य लेने से पहले सोच-समझकर विचार करें या घर के किसी बड़े।

धनु-:आशावादी रहें और उज्ज्वल पक्ष को देखें। आपका विश्वास और आशा आपकी इच्छाओं और आशाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। विशेषज्ञ की सलाह के बिना निवेश करेंगे तो नुकसान हो सकता है।

मकर-:आज आपको अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. आज आप अपने प्रदर्शन से खुश रहेंगे। आज आपका आत्मविश्वास ऊंचा बना रहेगा। आप अपने आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से अपने आसपास के लोगा

कुंभ-:धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के कार्य करने के लिए दिन अच्छा है. आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तय बजट से ज्यादा दूर न जाएं। जमीन से जुड़े विवाद लड़ाई में बदल सकते हैं।

मीन-:आज का दिन सामान्य रहेगा. आपकी इच्छा के अनुसार सभी कार्य पूर्ण होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। जिससे आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। अगर किसी से अनबन चल रही है।

सम्पादकीय

उत्पीड़न के शिकार लड़कों की अनदेखी, यौन शोषित लड़के समाज के पुरुषत्व ढांचे के बीच घुट जाते ह

बीते दिनों खबर आई कि राजस्थान में बाल आयोग ने छेड़छाड़-दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जागरूकता अभियान शुरू किया है। चूंकि ऐसी घटनाओं में बच्चियों को बड़े पैमाने पर निशाना बनाया जा रहा है तो बाल आयोग की यह पहल उचित कही जाएगी। यह आवश्यक भी है कि उन्हें आरंभ से ही 'गुड टच-बैड टच' के प्रति अवगत कराया जाए। हालांकि इस जागरूकता अभियान में बालकों को शामिल नहीं किया गया है। इससे प्रतीत होता है कि आयोग की दृष्टि में लड़कों के लिए ऐसे प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है और लड़कियों की भांति उनका यौन उत्पीड़न नहीं होता यह सच नहीं है। यह धारणा पूरी तरह गलत है कि अमूमन लड़कों का यौन उत्पीड़न नहीं होता। आखिर ऐसे मिथक समाज में क्यों फैले हुए हैं? इंडियन जर्नल आफ साइकेट्री द्वारा 2015 में प्रकाशित लेख में यौन पीड़ित का उल्लेख किया गया था। उसमें एक प्रसंग नौ वर्ष के पीड़ित बालक का था। उसके पिता ने अपने बेटे के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श का विरोध करते हुए यह दलील दी थी कि 'इससे न तो वह अपना कौमार्य खोएगा न ही गर्भधारण करेगा।' उसे एक पुरुष की तरह व्यवहार करना आना चाहिए न कि किसी डरपोक इंसान की तरह।' लड़कों के प्रति इस प्रकार की घोर असंवेदनशीलता उन्हें असहनीय शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा झेलने पर विवश करती है। इससे तमाम लड़के अवसाद में भी चले जाते हैं। मर्सर यूनिवर्सिटी, जाजिया में प्रोफेसर पैट्रीशिया रिकादी ने 'मेल रेप: द साइलेंट विक्टिम एंड द जेंडर आफ द लिसनर' शीर्षक से किए शोध में उजागर किया कि जो लड़के बचपन में यौन शोषण का शिकार होते हैं वे जीवन भर भावनात्मक, सामाजिक और निजी चुनौतियों से जूझते हैं और ये चुनौतियां उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को घातक रूप से प्रभावित करती हैं। देश-दुनिया के आंकड़ों का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होगा कि यौन उत्पीड़न के मामले में लड़कों के लिए लड़कियों के बराबर ही खतरा है, परंतु वास्तविकता के धरातल पर इसे अनदेखा कर नकार दिया जाता है। यह सामाजिक-सांस्कृतिक भ्रांतियों और पूर्वाग्रहों की एक जटिल श्रृंखला का परिणाम है। अक्टूबर 2021 में फ्रांस के कैथोलिक चर्च में बच्चों के बड़े पैमाने पर यौन शोषण का खुलासा हुआ। अनुमानित तौर पर वहां बीते 70 वर्षों में 3.30 लाख बच्चे यौन शोषण के शिकार हुए। एक रिपोर्ट के अनुसार यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चों में 80 प्रतिशत लड़के हैं। उनमें से अधिकांश 10 से 13 साल के बीच के थे। वहीं भारत में 'स्टेट काउंसिल आफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग हरियाणा' ने 2017-18 के बीच हरियाणा के 33,460 बच्चों पर अध्ययन किया। उसमें सामने आया कि 55.1 प्रतिशत लड़के यौन शोषण का शिकार हुए जबकि लड़कियों का प्रतिशत 44.9 है। इन आंकड़ों को नकारती सामाजिक, वैधानिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं विश्व भर में इस सत्य की अवहेलना कर रही हैं। यह चिंता का विषय है। 'ए रिपोर्ट फ्राम इकोनामिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट' का 2019 में प्रकाशित दस्तावेज 'आउट आफ द शैडोः शाइनिंग लाइट आन द रिस्पांस टू चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज एंड एक्सप्लोइटेशन' बताता है कि दुनिया के 60 देशों में से 33 देशों में बाल दुष्कर्म कानूनों में लड़कों के लिए कानूनी सुरक्षा का अभाव है। अच्छी बात है कि भारत में इस संदर्भ में संवेदनशील है और यहां लड़कियों की भांति लड़कों को भी यौन शोषण से कानूनी सुरक्षा मिली हुई है। 'एब्यूज्ड बायजः द नेगलेक्टेड विक्टिम्स आफ सेक्सुअल एब्यूज' के लेखक और मनोविज्ञानी मिक हंटर कहते हैं 'इस समस्या को नकारने का यह मतलब कतई नहीं है कि समस्या खत्म हो चुकी है।' इस किताब में उत्पीड़न के शिकार लोगों की चर्चा है। पीड़ितों पर पुरुषत्व का दबाव उन्हें मानसिक रूप से ऐसे अपराधों को सहन करने के लिए किस प्रकार विवश करता है, इसका उन्होंने गहन विश्लेषण किया है। समाज में पुरुष की व्याख्या अमूमन एक शोषक के रूप में की जाती है, परंतु लोग यह मानने को तैयार नहीं कि पुरुष शोषित भी होता है। ऐसे पूर्वाग्रह बच्चों का यौन शोषण करने वालों का अप्रत्यक्ष रूप से हौसला बढ़ाते हैं।

बाजीगरी से पैदा होती आंकड़ों की महामारी चीनी दबाव में है विश्व स्वास्थ्य संगठन

महामारियां प्रायः अपने पीछे दुखद इतिहास ही छोड़ती हैं। बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है, बल्कि जो परिवार अपने प्रियजन खोते हैं और जिन देशों का विकास पूरी तरह पटरी से उतर जाता है-उन्हें संभालना भी बहुत बड़ी चुनौती साबित होती है। हालांकि महामारी से मिले सबक याद रखे जाएं और सेहत को प्राथमिकता में लिया जाए तो आने वाले संकटों से पार पाया जा सकता है। आमतौर पर सबक के ऐसे मामलों में आंकड़े काम आते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि महामारी कितना बड़ा प्रकोप साबित हुई। कितनी मौतें हुईं और कितनों की रक्षा दवाओं और टीकों ने की। कितने लोग सही समय पर इलाज मिलने से बच गए और कितनों को अस्पतालों में आक्सीजन तक मुहैया नहीं कराई जा सकी, लेकिन इधर जब कोरोना वायरस से पैदा महामारी कोविड-19 के कारण दुनिया में वर्ष 2020 और 2021 में हुई मौतों के आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) ने जारी किए तो कुछ शंकाएं और सवाल उठ खड़े हुए। हमारी सरकार ने इन पर यह कहते हुए एतराज प्रकट किया कि भारत के बारे में ये आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जा रहे हैं।

डब्लूयूएचओ का आकलन : कोविड-19 से बीते दो वर्षों में हुई मौतों के बारे में डब्लूयूएचओ ने हाल में जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक दुनिया में औसतन 1.5 करोड़ (1.33 से 1.66 करोड़ के बीच) लोगों की जान इस अवधि यानी एक जनवरी, 2020 से तीन दिसंबर, 2021 के दौरान गई है। इसमें महामारी और उसके कारण पैदा हुई स्थितियों के चलते हुई मौतों की संख्या शामिल है। जैसे आक्सीजन सिलेंडर नहीं मिलने के कारण मौत हो जाना। महामारी के असर जानने के उद्देश्य से किए गए इस आकलन में भारत के बारे में जो अनुमान पेश किए हैं, उसने बहुतों को हैरान कर दिया है। डब्लूयूएचओ का कहना है कि भारत में कोविड-19 के कारण 47 लाख लोगों की मौत हुई, जो भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़े (5 लाख 23 हजार 889 मौतों) से करीब 10 गुना ज्यादा है। डब्लूयूएचओ के मत में भारत में 33-65 लाख लोगों की मौत दर्ज ही नहीं हुई। इस तरह कोविड-19 से दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें भारत में ही हुई मानी जा रही हैं। डब्लूयूएचओ ने भारत में मृतकों की जो संख्या बताई है वह संख्या दुनियाभर में हुई मौतों की एक तिहाई है। डब्लूयूएचओ का यह भी मानना है कि भारत ही नहीं, कई अन्य देशों ने भी कोविड-19 से हुई मौतों की कम गिनती की है। इस तरह दुनिया में सिर्फ 54 लाख मौतों को सरकारी दस्तावेजों में लिया गया है, ताकि कई देश कोविड-19 के प्रबंधन में रह गई खामियों-लापरवाहियों की जिम्मेदारी से बच सकें। इसमें संदेह नहीं कि भारत समेत कई अन्य विकासशील और गरीब देशों का स्वास्थ्य तंत्र कई वजहों से चर्चा में रहा है। अक्सर ये आरोप लगते रहे हैं कि अव्वल तो ये देश अपने नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं और अपने बजट का बहुत कम हिस्सा नागरिकों की सेहत पर खर्च करते हैं। इन देशों में गरीबों को नाममात्र की सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं हासिल हैं और मध्य वर्ग को भी इलाज के लिए निजी अस्पतालों में सैकड़ों गुना ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है। इन समस्याओं से शायद ही किसी को इन्कार हो, लेकिन कोविड-19 नामक महामारी का किस्सा इससे जरा अलग है। टीकों के विकास से पहले इस महामारी के खिलाफ प्रतिरक्षा का कोई ठोस उपाय हमारे पास नहीं था। मास्क, सैनिटाइजर और दो गज दूरी बरतने आदि सावधानियों के बावजूद कोई गारंटी नहीं थी कि इसकी चपेट में आया व्यक्ति जीवित बचेगा या नहीं। यही वजह है कि अमेरिका आदि जिन विकसित देशों में बेहद मजबूत स्वास्थ्य तंत्र है, वहां भी कोविड-19 ने अपना अत्यधिक प्रकोप दिखाया। अमेरिका हो, ब्राजील हो या भारत, कोविड-19 से हुई मौतों के आकलन पर डब्लूयूएचओ का यह कहना न्यायसंगत है कि महामारी में हुई मौतों की संख्या जानने से इसके असर को व्यापक तौर पर समझा जा सकता है। इससे सभी देशों में ज्यादा लचीला स्वास्थ्य तंत्र बनाने के लिए निवेश को बढ़ावा देने की समझ पैदा होगी। इसके अलावा महामारी जैसे संकटकालीन दौर में जरूरी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य सूचनाओं का मजबूत तंत्र बनाया जा सकेगा, लेकिन क्या इसके लिए जरूरी है कि मौतों के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए।

आंकड़ों की कारस्तानी : असल में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कोविड-मौतों की विशालकाय संख्या जारी होने के तुरंत बाद भारत सरकार ने जो सवाल उठाए हैं, उन्हें सही परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि डब्लूयूएचओ की ओर से ये आंकड़े आने से एक दिन पहले ही भारत ने अपनी तरफ से भी आंकड़े जारी किए थे, जिसमें कुल मिलाकर पांच लाख 23 हजार 889 मौतों को स्वीकार किया गया था। इसके बाद जिस तरह से डब्लूयूएचओ ने भारत में 10 गुना मौतों की बात कही, उसे लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलय की इस बात में वजन लगने लगा कि डब्लूयूएचओ का विश्लेषण और आंकड़े जुटाने का तरीका 'संदिग्ध' है। भारत सरकार ने आकलन के लिए इस्तेमाल में लाए गए डब्लूयूएचओ के माडल की वैधता पर प्रशनचिन्ह लगाया है। हमारी सरकार का कहना है कि डब्लूयूएचओ ने भारत की आपत्ति के बावजूद अतिरिक्त मृत्यु दर के आधार पर अपने अनुमान जारी किए, जो सही नहीं हैं। ध्यान रखें कि हमारे देश में कोविड-19 के कारण सबसे ज्यादा मौतें दूसरी लहर के दौरान हुई थीं, जब डेल्टा वैरिएंट के कारण बड़ी संख्या में लोग महामारी की चपेट में आ गए। डब्लूयूएचओ ने अपने इस आकलन के लिए उसी अवधि का इस्तेमाल किया है। अतिरिक्त मृत्यु माडल में यह देखा जाता है कि महामारी से पहले किसी क्षेत्र की मृत्यु दर क्या थी। यानी उस क्षेत्र में सामान्य रूप से कितने व्यक्तियों की मौत होती है और महामारी के बाद उस क्षेत्र में कितने लोगों की मौत हुई। इस आधार पर एक अनुमान लगाया जाता है, जो गणना का सही तरीका नहीं हो सकता। यह भी उल्लेखनीय है कि डब्लूयूएचओ के आंकड़े में उन लोगों को भी शामिल किया गया है, जिनकी मृत्यु की सीधा वजह कोविड नहीं थी। अधिक मौत के मामले में भारत के अलावा रूस, इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्राजील, मेक्सिको और पेरू आदि शामिल हैं। रूस के लिए मौतों की संख्या देश के सरकारी रिकार्ड में दर्ज मौतों से साढ़े तीन गुना है। हैरानी की बात है कि जिस देश पर कोरोना फैलाने के कथित आरोप हैं, उस देश यानी चीन को डब्लूयूएचओ की रिपोर्ट में कम मृत्यु दर वाले देशों में शामिल किया गया है। इसके लिए दावा किया जा रहा है कि चीन अभी भी 'जीरो कोविड' की नीति का पालन कर रहा है और वहां बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और क्वारंटाइन जैसे उपाय आजमाए जा रहे हैं। डब्लूयूएचओ के आंकड़ों को संदिग्ध बताने वालों में भारत अकेला नहीं है। पड़ोसी पाकिस्तान ने भी इस पर सवाल खड़े किए हैं। पाकिस्तान के सरकारी दस्तावेजों में कोविड से हुई मौतों की संख्या सिर्फ 30,369 दर्ज है, लेकिन डब्लूयूएचओ के आंकड़ों में यह संख्या दो लाख 60 हजार बताई गई है, जो कि आठ गुना ज्यादा है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री अब्दुल कादिर पटेल के मुताबिक उनके देश ने यह आकलन स्वयंसेवकों द्वारा जांच-परखकर किया है, जिसमें किसी फेरबदल की संभावना कुछ सौ की संख्याओं तक हो सकती है, न कि लाखों का अंतर आ सकता है। यह कहकर कादिर पटेल ने डब्लूयूएचओ द्वारा आंकड़ा संग्रहण की तकनीक और साफ्टवेयर से उन आंकड़ों के विश्लेषण में भारी गलती होने का संकेत किया है। कुछ ऐसी ही गलती भारत के संदर्भ में भी हो सकती है। भारत में जन्म और मृत्यु का पंजीकरण रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया (आरजीआइ) द्वारा सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) में किया जाता है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत आरजीआइ बड़े पैमाने पर शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और विज्ञानियों की मदद से ये आंकड़े तैयार करता है। ऐसे में आरजीआइ द्वारा सालाना आधार पर जारी किए जाने वाले आंकड़े ज्यादा भरोसेमंद माने जा सकते हैं, लेकिन डब्लूयूएचओ ने गैर-आधिकारिक आंकड़ों को गणितीय माडल की मदद से प्रोसेस कर जो अनुमान निकाले हैं, उन्हें विश्वसनीय मानना टेढ़ी खीर है। यही नहीं, इन आंकड़ों के संदर्भ में भारत ने डब्लूयूएचओ से पूछा है कि उसने भारत के जिन 17 राज्यों के आंकड़े जिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और वेबसाइटों की मदद से जुटाए हैं, उनका आधार क्या है। डब्लूयूएचओ ने इस बाबत पूछे गए सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। इससे इस संस्था द्वारा आंकड़ा संग्रहण की प्रक्रिया संदिग्ध हो जाती है और आंकड़े भरोसा करने लायक नहीं रह जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए आंकड़ों पर विवाद के बीच उसके अनुमानों के गलत होने की संभावना भी उभर रही है। एक चर्चा यह उठी है कि जो डब्लूयूएचओ कोरोना वायरस की पैदावार और उसके प्रसार के लिए जिम्मेदार माने गए चीन के प्रति नरमी दर्शाता रहा है, उसने भारत आदि को आंकड़ों के जरिये घेरने का प्रयास कर चीनी मंसूबों को सफल बनाने का काम किया है। दावा किया जा रहा है कि जब नवंबर-दिसंबर 2019 में चीन के वुहान में कोरोना संक्रमण फैला हुआ था, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बीमारी की पैदावार और प्रसार के बारे में बिल्कुल खामोश रहा। मौजूदा हालात देखें तो चीन कोविड-19 के संक्रमण और इस महामारी से हुई मौतों के मामले में कोई पारदर्शिता नहीं बरत रहा है, लेकिन तब भी विश्व स्वास्थ्य संगठन उसकी यह तारीफ करने से नहीं चूक रहा है कि वहां कोविड-19 से हुई मौतें काफी कम रही हैं। ऐसा अंदेशा भी है कि चूंकि बदले भू-राजनीतिक माहौल में चीन का मुकाबला करने के लिए भारत और अमेरिका एक तरफ हो गए हैं, इसलिए डब्लूयूएचओ चीन के इशारे पर भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है। उसका उद्देश्य भारत के साथ अमेरिका को भी साध लेना है। डब्लूयूएचओ के आंकड़ों पर भरोसा नहीं होने की एक बड़ी वजह यह है कि इस वैश्विक संस्था ने शुरू से ही चीन के प्रति नरम रुख अख्तियार कर रखा है। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन को लगता है कि उसके कायी और उसके जारी किए आंकड़ों पर दुनिया का भरोसा कायम हो तो इसकी फिक्र खुद उसे करनी होगी। भारत आदि को घेरने के बजाय वह ऐसा चीन के प्रति अपने बेहद नरम रुख में तब्दीली लाकर कर सकता है।

भारत को 1 लाख ड्रोन पायलट की है जरूरत 12वीं पास व्यक्ति को भी मिलेगा मौका ज्योतिरादित्य सिंधिया

उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया (ब्दूर्ग्रूिं एम्ग्ट्री) ने मंगलवार को कहा कि भारत को आने वाले कुछ सालों में करीब एक लाख ड्रोन पायलटों (उ्दहा झ्त्दू) की जरूरत होगी। मंगलवार को नीति आयोग की तरफ से ड्रोन स्टूडियो अनुभव से जुड़े कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सिंधिया ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया का ड्रोन हब बन सकता है। उन्होंने कहा कि ड्रोन उद्योग में निवेश व रोजगार दोनों की भारी संभावनाएं हैं। ड्रोन निर्माण के लिए 5,000 करोड़ के निवेश की उम्मीद है जिससे 10,000 रोजगार मिल सकता है। वहीं ड्रोन से जुड़ी सेवाओं के लिए 30,000 करोड़ के उद्योग का सृजन हो सकता है। सिंधिया ने कहा कि कृषि से लेकर खनन, सुरक्षा व कई अन्य क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विभिनन औद्योगिक क्षेत्र में ड्रोन के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कई पहल की गई है। किसान ड्रोन पहल से खेत में कीटनाशक के छिड़काव से लेकर फसल के अनुमान लगाने तक में मदद मिलेगी। ड्रोन की मदद से भूमि का सही माप हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार के 12 मंत्रालय फिलहाल देश में ड्रोन सेवाओं की मांग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ 12वीं पास व्यक्ति को ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके लिए कालेज की डिग्री की जरूरत नहीं है। सिंधिया ने कार्यक्रम में कहा, 'हम ड्रोन सेक्टर को तीन पहियों पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला पहिया है नीति, दूसरा प्रोत्साहन का माहौल तैयार करना और तीसरा है घरेलू मांग को बढ़ावा देना। आप देख रहे हैं कि हम कितनी तेजी से नीतियों पर अमल कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव यानी पीएलआइ के जरिये ड्रोन सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सिंधिया ने बताया कि आज 12वीं पास अभ्यर्थी को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया जा सकता है। किसी कालेज डिग्री की इसके लिए जरूरत नहीं है। केवल दो-तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद कोई अभ्यर्थी ड्रोन पायलट के रूप में काम शुरू कर सकता है और करीब तीस हजार रुपये महीने कमा सकता है। मंत्री ने कहा, 'पीएलआइ' (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू किया गया है।

भारतीय भाषाओं में शोध और अनुवाद के लिए मिलकर काम करेंगे आईआईएमसी और एमजीएएचवी

भारतीय भाषाओं में अनुवाद और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के बीच मंगलवार को सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर आईआईएमसी की ओर से महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, आईआईएमसी के डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह एवं डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार भी उपस्थित थे। सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि आईआईएमसी भारतीय भाषाओं के विकास को लेकर सजग है। संस्थान जम्मू और अमरावती परिसर में इसी वर्ष हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। साथ ही इस वर्ष तीन परिसरों में डिजिटल पत्रकारिता पाठ्यक्रम की शुरुआत भी की जा रही है। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि आईआईएमसी ने भारतीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें तैयार करने हेतु एक विशेष कार्य योजना तैयार की है। इससे मीडिया में भारतीय भाषाओं के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आईआईएमसी सनतकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने की तैयारी में है। भारतीय भाषाओं में अनुवाद की आवश्यकता पर जोर देते महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाओं के विद्यार्थियों को उनकी अपनी भाषा में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए दोनो संस्थान मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है। इस सहमति ज्ञापन के माध्यम से दोनों संस्थान भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण मीडिया शिक्षण हेतु ठोस प्रयास करेंगे। प्रो. शुक्ल ने कहा कि इस सहमति ज्ञापन से दोनों संस्थानों के मीडिया पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के प्रयास भी किये जाएंगे। साथ ही संचार एवं मीडिया शोध से जुड़े विभिनन विषयों पर भी हम मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर आईआईएमसी के डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि भारतीय जन संचार संस्थान 1965 से लेकर आज तक गुणवत्तापूर्ण मीडिया शिक्षा प्रदान कर रहा है और आईआईएमसी से तैयार पत्रकार देशभर के विभिनन मीडिया संस्थानों में अग्रणी भूमिकाओं में हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय वर्ष 1997 से हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के संवर्धन हेतु काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में कुल आठ विद्यापीठ हैं, जहां सनतक और परासनतक का अध्ययन और शोध कार्य होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद उनके विश्वविद्यालय को भारतीय जन संचार संस्थान के अनुभवों का लाभ मिलेगा।

कांग्रेस में संसदीय बोर्ड की वापसी खोलेगी सामूहिक नेतृत्व का द्वार

कांग्रेस को राजनीतिक चुनौतियों के दौर से निकालने की कोशिश के तहत पार्टी की निणन्य प्रक्रिया के दायरे को बढ़ाने का उदयपुर चिंतन शिविर में अहम फैसला होने की संभावना है। इसके तहत पार्टी में संसदीय बोर्ड के गठन की प्रणाली को फिर से वापस लाने की लगभग पूरी तैयारी है। कांग्रेस में सामूहिक नेतृत्व की उठाई जा रही आवाजों के बीच संसदीय बोर्ड का गठन इस दिशा में पहला बड़ा अहम कदम होगा। संकेत इस बात के भी हैं कि वंशवादी राजनीति के आरोपों से पीछा छुड़ाने के लिए अपवादों को छोड़कर पार्टी 'एक परिवार, एक टिकट' का सैद्धांतिक फैसला भी ले सकती है। इसी तरह कांग्रेस के संकुचित हुए सामाजिक आधार को विस्तार देने के लिए ओबीसी, दलित, आदिवासी और महिलाओं को पार्टी संगठन के ढांचे में 50 प्रतिशत तक भागीदारी सुनिश्चित करने का निणन्य लिया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान कांग्रेस की बार-बार हो रही चुनावी हार के बाद पार्टी संगठन और नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सामूहिक नेतृत्व की मांग की जा रही है। मालूम हो कि कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे जी-23 ने सबसे पहले अगस्त, 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे अपने चर्चित पत्र में संगठनात्मक बदलाव को लेकर जो प्रमुख मांग उठाई थी, उसमें संसदीय बोर्ड के गठन का प्रस्ताव भी शामिल था। इन नेताओं ने हाईकमान केंद्रित फैसलों को पार्टी की मौजूदा कमजोर राजनीतिक हालत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था कि संसदीय बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए ताकि बड़े राजनीतिक मुद्दों पर इसमें चर्चा कर फैसले लिए जा सकें। असंतुष्ट खेमे का हिस्सा नहीं होने के बावजूद पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम सरीखे कुछ नेताओं ने भी दिसंबर, 2020 में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में संसदीय बोर्ड के साथ स्वतंत्र केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन किए जाने की बात उठाई थी। चिंतन बैठक के लिए कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में सुधारों को लेकर गठित उप-समूह ने संसदीय बोर्ड प्रणाली की वापसी समेत कई सुझावों का मसौदा तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार, उदयपुर चिंतन बैठक में संसदीय बोर्ड के गठन के इस प्रस्ताव पर मुहर लगाए जाने की पुख्ता संभावना है। कांग्रेस के बीते कुछ वर्षों के दौरान कमजोर चुनावी प्रदर्शन को देखते हुए संगठन में चुनावों के प्रबंधन की जिम्मेदारी के लिए अलग से एक महासचिव बनाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। वहीं, ओबीसी वर्ग के साथ दलितों-आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के साथ महिलाओं को कम से कम पार्टी संगठन में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी देकर कांग्रेस के सामाजिक और सियासी आधार को फिर से दुरुस्त करने की कोशिश शुरू की जाएगी। देश की बड़ी युवा आबादी मौजूदा दौर में राजनीतिक दशा-दिशा तय करने में सबसे अहम भूमिका निभा रही है और कांग्रेस के लिए इस वर्ग को साधना सबसे अहम है। इसके मद्देनजर युवाओं को कांग्रेस के जरिये राजनीति में आने से लेकर वैचारिक आधार पर पार्टी से जुड़ने के लिए उदयपुर नव संकल्प प्रस्ताव में अहम एलान किया जाएगा। दिलचस्प यह है कि कांग्रेस की राजनीतिक वापसी के लिए चर्चित रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने जो प्लान दिया था, उसमें चुनावों की रणनीति व प्रबंधन के लिए विशेष जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव शामिल था। इसका संकेत साफ है कि उदयपुर में कांग्रेस संगठन की कमजोरियों को दुरुस्त करने के लिए पीके के कुछ प्रस्तावों को पार्टी अपने संगठनात्मक बदलावों का हिस्सा बना सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अब महज दो साल का वक्त रह गया है और पार्टी की बड़ी चुनौती को देखते हुए हर लोकसभा सीट के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी की मान ली बात

पटना। बिहार में जातीय जनगणना को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आर पार के मूड में दिख रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 48 से 72 घंटे के अंदर मिलने का वक्त मांगा था और जातीय जनगणना पर स्टैंड क्लीयर करने की बात कही थी। जिसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने नेता प्रतिपक्ष का बात मान ली है और आज शाम में मिलने का वक्त दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी की बुधवार की शाम 04.30 बजे सीएम हाउस में मुलाकात होगी। मिल रही जानकार के मुताबिक सीएम नीतीश कुमार ने तेजस्वी को मिलने को वक्त दिया है। मुख्यमंत्री आवास में शाम 04.30 बजे दोनों की मुलाकात होगी। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच जातीय जनगणना को लेकर बातचीत होगी। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जातीय जनगणना को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 48 से 72 घंटे के अंदर मिलने का वक्त दें। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि बिहार में जातीय जनगणना को लेकर सीएम अपना रूख भी साफ करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राजद आगे की रणनीति पर काम करेगा और बड़े आंदोलन की घोषणा करेगा। इससे पहले तेजस्वी यादव ने जातीय जनगणना को लेकर पटना से दिल्ली पैदल मार्च करने की बात कही थी।

बीपीएससी के चेयरमैन की करियर कथाः लालू के रेलमंत्री रहते रेल मंत्रालय में तो तेज प्रताप के स्वास्थ्यमंत्री रहते प्रधान सचिव भी रहे थे महाजन

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग का विवादों से पुराना नाता रहा है। ताजा मामला इसकी सबसे बड़ी संयुक्त सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का पेपर लीक हो जाने का है। इस सिलसिले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब कांड के मास्टरमाइंड की तलाश में है। ऐसे में एक सवाल यह है कि आखिर कौन है बीपीएससी का मुखिया रजनीश कुमार महाजन , जिनके कार्यकाल में यह कांड हुआ है साल 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकरी आरके महाजन बीपीएससी के चेयरमैन हैं। बीपीएससी में जाने के पहले वे शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव थे। बीते 31 अगस्त 2020 को सेवानिवृत्त होने के बाद उसी दिन राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर उन्हें एक सितंबर 2020 से बीपीएससी का चेयरमैन बना दिया। उनका कार्यकाल छह साल या 62 वर्ष की उम्र सीमा (जो पहले हो) तक है।

कमिश्नरेट की पुलिस क्राइम कंट्रोल के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं में भी अग्रणी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। थाना फेस-1 पर नियुक्त उपनिरीक्षक अरूण कुमार वर्मा द्वारा मेट्रो स्टेशन के पास अचानक बेहाश होकर गिरे व्यक्ति की सीपीआर देकर बचाई गयी जान, मानवीय संवेदना का दिया संदेश।पुलिस कमिशनर आलोक सिंह के नेतृत्व में कमिश्नरेट की संपूर्ण पुलिस क्राइम कंट्रोल में जहां एक और अग्रणी होकर कार्य कर रही है वहीं दूसरी ओर कमिशनरेट की पुलिस मानवीय संवेदना को लेकर भी गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। इस कड़ी में आज 10/05/2022 को थाना फेस-1 पुलिस द्वारा मेट्रो स्टेशन सेक्टर-16 के पास गश्त व चेकिंग की जा रही थी तभी एक व्यक्ति शंकर निवासी शाहदरा उम्र 30 वर्ष अचानक मिर्गी का दौरा पडने के कारण सेक्टर-16, मेट्रो स्टेशन से पहले हरि जूस के सामने बेहोश होकर गिर गया, जिसपर वहां गश्त कर रही पुलिस पीसीआर वैन पर नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल उस व्यक्ति को प्राथमिक उपचार दिया गया और उपनिरीक्षक अरूण कुमार वर्मा द्वारा सीपीआर की सहायता से उसकी जान बच गई। तदोपरांत पुलिस द्वारा उसके साथी निवासी सिगमा बिल्डिंग, सेक्टर-16 को बुलाकर उक्त व्यक्ति को उनके सुपुर्द किया गया। उक्त व्यक्ति वर्तमान में एकदम स्वस्थ है। इस घटना में कमिशन्रेट की पुलिस ने माननीय संवेदना का जीता जागता उदाहरण पेश किया है।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

सिविल न्यायालय व्यवहारी में अधिवक्ता संघ हड़ताल पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। जिले कें व्यवहारी विकासखंड अंतर्गत सिविल न्यायालय व्यवहारी में 5तारीख का सोशल मीडिया में जो वीडियो वायरल हुआ था इसकी तहकीकात करने मीडिया की टीम न्यायालय परिसर पहुंची तो वहां वक्ता संघ के सभी सदस्य न्यायालय कार्य का बहिष्कार करते हुए विगत 2 दिनों से हड़ताल पर बैठे हैं परंतु आज दिनांक तक शासन प्रशासन द्वारा कोई पहल ना किए जाने के कारण आम आदमी परेशान हैं काश्तकार और अन्य फरियादी न्यायालय के चक्कर काट रहे हैं और उनकी तरफ से पैरवी करने वाला कोई नहीं क्योंकि सभी अधिवक्ता हड़ताल पर चले जाने से न्यायालय का सारा कार्य ठप हो गया है अधिवक्ताओं की मांग है शासन वकीलों की तरफ से की जाने वाली रिपोर्ट को दर्ज करें और भगवान सिंह के लगाए गए अपराधिक प्रकरण को वापस लिया जाए वकीलों ने अनिल पटेल टी आई भूमिका संदिग्ध बताया है जिसकी जांच की जाना अत्यंत आवश्यक है भारती पटेल के विरोधी वकीलों का कहना है कि उक्त महिला अपने को कानून से ऊपर समझती है उत्तम महिला द्वारा कई बार वकीलों के साथ बदसलूकी की गई जिसकी शिकायत थाना व्यवहारी में दर्ज कराई गई लेकिन कोई कार्रवाई ना होने के कारण उक्त महिला के हौसले बुलंद होकर न्यायालय परिसर में भगवान सिंह के ऊपर पत्थर से हमला किया गया जिसके परिपेक्ष में वकील भगवान सिंह द्वारा अपना बचाव करने का प्रयास किया गया और घटना की जानकारी पुलिस थाना प्रभारी व्यवहारी को दिया गया परन्तु कोई कार्यवाही न करते हुए उल्टा अधिवक्ता के खिलाफ मामला दर्ज करदिये जाने वकील समूह में भारी आक्रोश व्याप्त है और सभी एकजुट होकर 2 दिनों से हड़ताल पर डटे है लेकिन शासन प्रशासन द्वारा अभी तक वकीलों के समस्याओं के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया गया लेकिन अनिल पटेल टीआई को तत्काल व्यवहारी से सोहागपुर के लिए मुक्त कर दिया गया और अनिल पटेल टी आई के खिलाफ जांच की मांग को लेकर आंदोलन जारी है देखने वाली बात यह होगी मामले में शासन प्रशासन क्या कार्रवाई करता है

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्त पोषित अच्छे एवं उत्कृष्ट उत्पाद बिक्री करने वाली इकाइयों का होगा सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अंबुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्त पोषित अच्छे एवं उत्कृष्ट उत्पाद बिक्री करने वाली इकाइयों के उत्साहवर्धन के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2022-23 के तहत मंडल स्तर से प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय तथा राज्य स्तर से भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप निर्धारित धनराशि के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। अतः जनपद की समस्त इकाइयों द्वारा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से आवेदन पत्र निशुल्क प्राप्त कर उत्पादित माल, बिक्री एवं रोजगार से संबंधित जानकारी (इकाइयों के फोटोग्राफ सहित) भरकर जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन कक्ष संख्या 206-207 सूरजपुर ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर में आगामी 27 मई तक जमा करा सकते हैं।

सरकार की डिजी शक्ति योजना के तहत टैबलेट और स्मार्ट फ़ोनों का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। हाईरैंक बिज़नेस स्कूल सेक्टर 62 नोएडा में उत्तर प्रदेश सरकार की डिजीशक्ति योजना के तहत बच्चों को टैबलेट एवं स्मार्ट फ़ोन बाँटे गए। कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में भाजपा नोएडा ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता रहे साथ ही भाजपा महामंत्री उमेश त्यागी भी रहे। कार्यक्रम में 300 टैबलेट एवं स्मार्ट फ़ोन बाँटे गए। मनोज गुप्ता जी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी जी की सरकार में जो वादे किए गए उनको निभाते हुए सरकार बच्चों को टैबलेट और स्मार्ट फ़ोनों का वितरण कर रही है एवं उसी के तहत आज का कार्यक्रम हुआ है। आज डिजिटल युग में टैबलेट से बच्चों के लिए बहुत मदद मिलेगी और ये इंटरनेट से जुड़े रहने में भी सहायक रहेगा। कॉलेज के चेयरमैन राजेश सहाय ने भी सभी का धन्यवाद दिया और बताया कि इन टैबलेट के माध्यम से बच्चों को अपने करियर को और आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

सूर्य मन्दिर निर्माणशाला ने नवीन बाबू से मिलने का समय मांगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। नूतन कोणार्क सूर्य मन्दिर निर्माणशाला के अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक को ज्ञापन देकर उनसे मिलने के लिये समय मांगा ताकि कोणार्क में भव्य और विशाल नवीन सूर्य मन्दिर का निर्माण हो सके। मुख्य मंत्री श्री नवीन पटनायक जी को दिये ज्ञापन में श्री मुकेश जैन बारम्बार अनुरोध के बाद भी कोणार्क प्रशासन द्वारा सूर्य मन्दिर निर्माण के लिये चन्द्रभागा मेला क्षेत्र में भूमि प्रदान न करने और नवीन काणार्क सूर्य मन्दिर को कोणार्क प्रशासन द्वारा तीसरी बार तोड़े जाने पर दुःख व्यक्त किया। श्री जैन ने ज्ञापन में कोणार्क प्रशासन द्वारा बिना कोई नोटिस दिये निर्माणाधीन सूर्य मन्दिर को तोड़े जाने को हिन्दू धर्म पर बड़ा हमला बताते हुए कहा कि पूर्व में आये वात्या और चक्रवात से महावीर मन्दिर से जुड़ा त्रिदेव मन्दिर पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गया था और अन्य मन्दिर भी बालू में धंस गये हैं। उसी के पुर्ननिर्माण के लिये नूतन कोणार्क सूर्य मन्दिर निर्माणशाला द्वारा त्रिदेव मन्दिर और महावीर मन्दिर की भूमि पर सूर्य मन्दिर और नये त्रिदेव मन्दिर का निमार्ण किया जा रहा था। जिसे कोणार्क प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। जिससे पूरे कोणार्क की धार्मिक भावनाओं को जबरदस्त ठेस पहुंची है। श्री जैन ने ज्ञापन में कहा कि कोणार्क का चन्द्र भागा तट, सूर्य पूजा के लिये भगवान जगननथ महाप्रभु द्वारा घोषित सबसे बड़ा सिद्ध क्षेत्र है। किन्तु दुष्ट अंग्रेजों ने अपने हिन्दू धर्म विरोधी मन्दिरों को तोड़ने के बाईबिली आदेशों के तहत 1903 मसीही में कोणार्क के सूर्य मन्दिर में बालू भरकर पूजा अर्चना न केवल रोक दी गयी बल्कि पूजा-अर्चना करना दण्डनीय अपराध भी घोषित कर दिया।तभी से यहां भय वश सूर्य पूजा बन्द है। श्री जैन ने 120 साल बाद चन्द्रभागा तीर्थ पर नवीन कोणार्क सूर्य मन्दिर बनना शुरू होना भगवान जगननथ की अनुकम्पा बताते हुए कहा कि हमने सूर्य भगवान की भव्य मूर्ति घोड़ो सहित महावीर मनि् दर की भूमि पर स्थापित भी कर दी थी। किन्तु कोणार्क प्रशासन ने नव निर्मित मन्दिर को ध्वस्त कर दिया। जबकि कोणार्क प्रशासन ने हमारे द्वारा 6 एकड़ भूमि पर बनाये जा रहे विशाल नवीन कोणार्क सूर्य मन्दिर को ध्वस्त करके ही सूर्य भगवान की मूर्ति महावीर मन्दिर में स्थापित की थी और गोप तहसीलदार के परामर्श से ही हम यहां पर महावीर मन्दिर की भूमि पर मन्दिर बना रहे थे श्री जैन ने ज्ञापन में कोणार्क में पूजा - अर्चना के लिये बनाये जा रहे सूर्य मन्दिर के निर्माण में बाधा डालने वाले अधिकारियों को रोकने का अनुरोध किया ताकि 120 वर्षो से सूर्य पूजा से वंचित कोणार्कवासी यहां सूर्य उपासना कर सके। इसी के साथ चन्द्र भागा मेला क्षेत्र में चन्दभागा तीर्थ के पास नूतन कोणार्क सूर्य मन्दिर निर्माणशाला को सूर्य मन्दिर निर्माण के लिये 6 एकड़ भूमि उचित मूल्य पर या 1 रूपये मूल्य पर 1000 साल के पट्टे पर प्रदान करने का भी अनुरोध किया गया। इसके लिये कोणार्क व पुरी वासियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री जी से मिलने के लिये समय प्रदान करने का अनुरोध भी किया।

लगातार तीन वर्ष से ब्योहारी की जन सेवा करने वाले अमित मिश्रा अब होगे जयसिंह नगर के तहसीलदार............

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल।की जनता की सेवा करते हुए राजस्व न्यायालय की संभाग कि वर्ष 2021की रैंकिंग में पहले स्थान पर 85.7 डिस्पोजल के साथ ब्यौहारी कोर्ट का वृत्त खांड इसके अलावा ब्यौहारी का ही वृत्त पपौध साथ टॉप टेन में रहा। इसके अलावा वर्ष 2020में भी ये दोनों कोर्ट लगातार संभाग में टॉप पर रहे है ,सीमांकन प्रकरण डिस्पोजल में बुड़वा, पपौध को श्री मा न सत्येंद्र सिंह तत्कालीन कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्राप्त हो चुका है। मंडी प्रशासक रहते हुए अमित मिश्रा ने वर्ष में रिकॉर्ड कार्यवाही करते हुए700क्विंटल से ज्यादा धान जब्त की एवम चार लाख सेज्यादा का जुर्माना वसूल किया। खाद्य विभाग हो या माइनिंग की कार्यवाही हो सभी में आगे रहे। 24/03/2022 को शहरगढ़ स्थिति पूर्व माध्यमिक विद्यालय से अतिक्रमन हटाते हुए मौके से खाली कराया गया एवम बच्चो के खेल मैदान को समतल कराया गया। नायब तहसीलदार अमित मिश्रा की अगुआई में वर्षो से किया गया अतिक्रमण हटा शिक्षको के द्वारा अतिक्रमण के विरूद्ध शिकायते की जा रही थी मवेशियों का जमावड़ा होने से बच्चो को आने जाने में दिक्कत होती थी । इसके अलावा कुमिहा रामपुरवा से शमसान का अतिक्रमण हो या पापौध तिराहा का अतिक्रमण हो।ब्योहारी का बाजार का अतिक्रमण एवम वन विहार ढाबा हटाए अतिक्रमन हटाने में भी महत्व पूर्ण भूमिका रही। कोरोना काल में जब प्रदेश की राजधानी कोरोना के चपेट में थी महामारी में भोपाल की जनता की सेवा के लिए विशेष रूप से नियुक्ति की गई या ऑक्सीजन व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने हेतु सिंगरौली में दिन रात जागकर जन सेवा हमेशा ही तत्पर रहे।

सेक्टर 82 (पैकेट 7) मे जानकी नवमी का पर्व मनाया गया......

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर 82 पैकेट 7 के शिव मंदिर पर आज जानकी नवमी का पर्व बडे धाम धाम से मनाया गया। आज सुबह से ही मंदिर परिसर में बडे श्रद्धा पूर्वक जानकी जी विधिवत मंत्तोच्चार पूर्वक पूजन किया गया। एवं सामूहिक हवन पूजन किया गया। शाम को मनोहर संगीत मंडली द्वारा भजन कीर्तन भी किया गया ।उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर शैलेन्द्र मिश्रा,पंकज झा,बलराम कुमार,संजय शुक्ला,मुरारी झा,संतोष कुमार,रंजीत पटेल, राम भरोसे,सर्वेश्वर तिवारी,विजय झा,राजीव श्रीवास्तव,रमेश चंद्र दास,दिलीप झा,विपिन झा,के के झा,सूरज झा,आशुतोष झा,मदन मोहन मिश्र,अंशु झा,संजीत झा,अजय श्रीवास्तव, पंकज ठाकुर,के सी झा,शिव चौधरी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जन अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे विकास कार्यः मुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडलीय दौरों से लौट कर आए मंत्री समूह के रिपोर्ट पर यथोचित कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मंत्री समूह की रिपोर्ट सम्बंधित जिलों के नोडल अधिकारियों को दी जाए, ताकि जन अपेक्षाओं के अनुरुप विकास कार्यों को गति दी जा सके, साथ ही मंत्रीगणों ने जिन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत बताई है, उस पर अमल किया जाए। यही नहीं, मंत्री समूहों के मंडलीय/जनपदीय भ्रमण कार्यक्रम को सतत जारी रखने की जरूरत बताते हुए मुख्यमंत्री ने आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होने और त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोकभवन में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में एक-एक कर सभी 18 मंत्री समूहों के अध्यक्षों ने अपने प्रभार वाले मंडलों की जनपदवार स्थिति के बारे में जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मंत्री समूह मंडलीय भ्रमण के दौरान मंडलीय समीक्षा बैठक कर विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। वहीं, महिला सुरक्षा के मामलों, एससी/एसटी के प्रकरणों में अभियोजन की स्थिति, पुलिस पेट्रोलिंग, बाल यौन अपराधों, व्यापरियों की समस्याओं, गैंगस्टर पर कार्रवाई आदि का विवरण प्राप्त करते हुए जीरो टॉलरेंस नीति के साथ बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए जरूरी निर्देश भी दिए। मंत्री समूहों ने भ्रमण के दौरान 'जन चौपाल' और 'सहभोज' के अनुभवों को भी साझा किया। ज्यादातर मंत्री समूह के मुताबिक महिला सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और स्कूलों के कायाकल्प और पात्र लोगों को बिना भेदभाव मिल रहे मुफ्त राशन के विषय पर जनता में सकारात्मक माहौल है। मंत्रियों ने जनसमस्याओं/शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था को और बेहतर बनाये जाने की अपेक्षा भी जताई। मंत्री समूहों ने मंडलीय भ्रमण के लिए मंत्री समूह के गठन के प्रयास को अभिनव बताते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया 'स्वास्थ्य चिंतन शिविर' से लौटे उपमुख्यमंत्री ने साझा किया अनुभव मंत्रिमंडल की बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 5 से 7 मई तक गुजरात के केवड़िया में आयोजित केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्लूयू) के 14वें सम्मेलन 'स्वास्थ्य चिंतन शिविर' के अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि शिविर में इंसेफेलाइटिस उन्मूलन और कालाजार की समाप्ति सहित संचारी रोगों के निदान के 'यूपी मॉडल' पर एक प्रस्तुतिकरण किया गया, तो प्रदेश में एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज सहित हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के लिए जारी प्रयासों और कोविड के शानदार प्रबंधन के बारे में भी बिंदुवार जानकारी दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सहित विभिनन राज्यों ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मंत्रिमंडल की इस बैठक में मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद ने भी एक प्रस्तुतिकरण दिया।

दिल्ली के कई इलाकों में आज भी अवैध निर्माण के खिलाफ गरजेगा बुलडोजर

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ तीनों निगमों कार्रवाई तेज कर दी है। दक्षिण दिल्ली नगर निगम का बुलडोजर बुधवार को भी कई इलाकों में अतिक्रमण हटाएगा तो अवैध निर्माण ठहाएगा। एअश्ण् के मुताबिक, बुधवार को मेहरचंद मार्केट, लोधी रोड और जेएलएन मेट्रो स्टेशन के आसपास के इलाकों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। जरूरत पड़ी तो इस दौरान बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण भी ढहाए जाएंगे। अतिक्रमण के खिलाफ चल रही निगम की कार्रवाई बुधवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहेगी। चारों जोन में यह कार्रवाई होगी। निगम के अनुसार बुधवार को मध्य जोन के लोधी कालोनी में मेहचंद मार्केट के आसपास अतिक्रमण हटाया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इटहैरा व छोटी मिलक में अवैध कब्जों पर चलाया बुल्डोजर

दोनों जगहों से करीब 10 एकड़ जमीन से हटाया अतिक्रमण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इटहैरा व छोटी मिलक में प्राधिकरण की जमीन पर अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण ने दोनों जगहों से करीब 10 एकड़ जमीन पर बने अवैध कब्जे को ढहा दिया। दोनों जगहों पर खाली कराई गई जमीन की कीमत करीब 20 करोड़ होने का आकलन है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी सचिन कुमार सिंह की अगुवाई में मंगलवार दोपहर डीजीएम केआर वर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक एनके जैन व पूरी टीम पुलिस बल के साथ इटैहरा पहुंच गई। कॉलोनाइजर इटैहरा के खसरा नंबर 340 की एक हेक्टेयर से अधिक जमीन पर अवैध कालोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। बाउंड्री वॉल बना लिए थे। प्राधिकरण की टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक कार्रवाई कर जमीन को खाली करा लिया। ओएसडी सचिन कुमार सिंह ने वहां मौजूद लोगों को दोबारा कब्जाने की कोशिश करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इसके बाद प्राधिकरण की टीम छोटी मिलक पहुंची। वहां रोड के किनारे खाली जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को ढहा दिया। प्राधिकरण की पूरी जमीन को खाली करा लिया। डीजीएम केआर वर्मा ने बताया कि इन दोनों जगहों की जमीनों पर किसानों के लिए छह फीसदी आवासीय भूखंडों का आवंटन हो चुका है। इस दौरान स्थानीय पुलिस के साथ ही पीएसी के जवान भी तैनात रहे। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ सुरेंद्र सिंह ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने हर वर्क सर्किल को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बिकिनी में फैंस को फिटनेस गोल देती दिखीं मंदिरा बेदी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस और अपनी शानदार फिटनेस फ्रिक मंदिरा बेदी अपने बेबाक अंदाज, शानदार एक्टिंग के चलते काफी चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वो थाईलैंड में छुट्टियां मना रही हैं। अब बुधवार को उन्होंने अपनी वेकेशन की कई तस्वीरें साझा की है, जिसमें वो बेहद बोल्ड अंदाज में दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में समुंदर किनारे खड़े होकर रेड कलर की बिकिनी में पोज देती दिख रही हैं। इन तस्वीरों में वो सेल्फी लेती हुई दिख रही हैं। लेटेस्ट वेकेशन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, धूप, समुद्र, रेत और इन शानदार 4 दिनों ने मेरा पूरा हफ्ता और पूरा महीना बेहतरीन बना दिया। इससे पहले उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें वो बीच पर चिल करती हुई दिख रही हैं। साथ ही उन्होंने वीडियो में समुंद्र किनारे बने टूरिस्ट पॉइंट की भी झलक साझा की है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने लिखा, शब्दों के विवरण की कोई जरूरत नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में मंदिरा ने खुलासा किया था कि, उनके शार्ट हेयर के कारण उन्हें लगभग 10 पुलिस और 5-6 नेगेटिव किरदार ऑफर हुए थे। हांलाकि, इस पैटर्न में थोड़ा बदलाव हुआ है और अब उन्हें 'मजबूत आधुनिक महिला' के रोल ऑफर होने लगे हैं।

अपको बता दें, मंदिरा बेदी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1994 में डीडी नेशनल के चर्चित शो शांति से की थी, जिसमें उन्हें खूब पसंद किया गया। इस बाद उन्होंने औरत, क्योंकि सास भी कभी बहुत थी और सीआईडी जैसे फेमस टीवी शोज में काम किया है। इसके अलावा फेम गुरुकुल, इंडियन आइडल जूनियर और इंडियाज डेडलीएस्ट रोड्स जैसे शो को भी होस्ट कर चुकी हैं। वहीं, उन्होंने 1995 में बॉलीवुड में शाह रुख खान और काजोल की फिल्म दिल वाले दुल्हानिया ले जाएंगे से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था, लेकिन उनका फिल्मी करियर कुछ खास नहीं है। उन्होंने कई क्रिकेट टूनामेंट में होस्टिंग की है।

आयुष शर्मा के दाद जी पंडित सुखराम शर्मा का निधन, दिल्ली एम्स में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली। सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा के दादा जी और पूर्व केंद्रीय संचार मंत्री पंडित सुख राम को दिल का दौरा पड़ने के बाद एम्स

में भर्ती कराया गया था। अनुभवी राजनेता को बीते शनिवार हालत नाजुक होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था। अब जानकारी आ रही है कि, अभिनेता के दादा जी पंडिय सुखराम शर्मा का निधन हो गया है उनके निधन की जानकारी पूर्व मंत्री के पोते आश्रय शर्मा ने मंगलवार देर रात अपनी एक फेसबुक पोस्ट साझा कर दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आयुष दादाजी, अब फोन नहीं बजेगा अलविदा दादाजी। वहीं, मंगलवार को आयुष शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने दादा जी निधन की चल रही अफवाहों को पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उनकी हेल्थ अपडेट साझा किया था। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरे दादा जी पंडित सुखराम एक मजूबत व्यक्ति हैं और वो अस्पताल में पूरी ताकत से लड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनको लेकर चल रही खबरें और अफवाहों पर ध्यान ना दें। मैं इस मुश्किल वक्त में आप सभी से अनुरोध करूंगा कि वो मेरे दादा जी के जल्द-से-जल्द ठीक होने की प्रार्थना करें और किसी भी फेक न्यूज को शेयर करने से बचें। अभिनेता ने पोस्ट में आगे लिखा, 'हम आपको हर पल उनके हेल्थ से जुडे अपडेट देते रहेंगे। आप सभी की दुआओं के लिए दिल से शुक्रिया। वहीं, बात अगर आयुष शर्मा के वर्कफ्रंट की करें तो वो सलमान खान की अलगी फिल्म कभी ईद कभी दीवाली में नजर आने वाले हैं। हालांकि अभी निर्माताओं द्वारा उनके किरदार को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं की गई हैं। वहीं, फिल्म में टीवी एक्ट्रेस शहनाज गिल के भी शामिल होने की जानकारी सामने आ रही है। हाल ही में सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की रिलीज को लेकर भी खबरें आईं थीं, जिसमें दावा किया गया था कि अगले साल यानी 2023 को ईद को मौके रिलीज होगी। हालांकि फिल्म की रिलीज को लेकर अभी फिल्म निर्माताओं ने कोई भी जानकारी शेयर की है।

दिवंगत पत्नी सुनंदा पुष्कर का नाम घसीटे पर विवेव अग्निहोत्री-अनुपम खेर पर भड़के शशि थरूर

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितों के दर्द को अपनी फिल्म 'फिल्म द कश्मीर फाइल्स' के जरिए लोगों के सामने लाने वाले विवेक अगिन्होत्री इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में बनें हुए हैं। विवेक की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी इतिहास रच रही है। हर दिन इसके बढ़ते आंकड़ों ने हर किसी को हैरान किया। वहीं फिल्म के सभी सितारों ने भी खूब सुखिन्यां बटोरी हैं। इस फिल्म को लेकर कई विवाद भी खूब चर्चा में रहे हैं। विवेक अगिन्होत्री और अनुपम खेर की इस फिल्म को लेकर राजनीति भी खूब हुई और अभी भी यह सिलसिला थमा नहीं है। इसी बीच अब 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर एक नया विवाद चर्चा में है। 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर निर्देशक विवेक अगिन्होत्री और कांग्रेस नेता शशि थरूर ट्विटर पर भिड़ गए। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला दरअसल, 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर ये पूरा विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब पता चला कि सिंगापुर में विवेक अगिन्होत्री की इस फिल्म को बैन कर दिया गया है। इसकी वजह बताई गई कि इसमें 'एकतरफा' चीजों को दिखाया गया है। इसी बात को लेकर बाद में कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ट्वीट

किया और इस पूरे मामले पर विवेक ने पटलवार करते हुए जवाब दिया। वहीं अब एक्टर अनुपम खेर का भी रिएक्शन आया। 'द कश्मीर फाइल्स' एक्टर अनुपम खेर ने शशि थरूर के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनंदा पुष्कर के ट्वीट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने आगे कहा कि सुनंदा की खातिर ही सही कश्मीरी पंडितों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। अनुपम खेर लिखते हैं, 'प्रिय शशि थरूर, कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार के प्रति आपकी कठोरता बेहद दुखद है। कम से कम सुनंदा के लिए ही सही जो खुद एक कश्मीरी थीं, आपको कश्मीरी पंडितों के प्रति थोड़ी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और द कश्मीर फाइल्स पर प्रतिबंध लाने वाले देश के बारे में विजयी महसूस नहीं करना चाहिए।शशि थरूर ने सिंगापुर के चैनल न्यूज एशिया का आर्टिकल शेयर करते हुए लिखा, 'द कश्मीर फाइल्स' को भारत में सत्तारूढ़ पार्टी ने प्रमोट किया जबकि सिंगापुर में बैन कर दी गई है।' थरूर ने भी कहा कि इस मामले में उनकी दिवंगत पतनी को घसीटना अवांछित और निंदनीय है। इस पर विवेक अगिन्होत्री ने जवाब दिया कि सिंगापुर में रेग्रेसिव सेंसर है और वहां पहले भी कई फिल्मों को बैन किया गया है। उन्होंने आगे लिखा कि कृपया कश्मीरी हिन्दू नरसंहार का मजाक ना उड़ाएं।

पश्चिम बंगाल की सांसद नुसरत जहां समंदर किनारे हुई बोल्ड

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस की सांसद और बंगाली फिल्मों की अभिनेत्री नुसरत जहां ने राजनीति से लेकर अभिनय तक अपनी एक खास पहचान बनाई है। नुसरत अपने काम के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुखिन्यां बटोरती हैं। नुसरत कभी अपनी शादी तो कभी बेटे तो कभी यश दासगुप्ता संग अपने रिलेशनशिप को लेकर इंटरनेट पर

छाई रहती हैं। इन्हीं सब के साथ नुरसत अपनी बोल्ड पर्सनैलिटी के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर ही सोशल मीडिया पर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं। इस बीच नुसरत की एक लेटेस्ट बोल्ड तस्वीर चर्चा में बनीं हुई है।

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' का झुग्गी-झोपड़ियों के ऊपर लगा बड़ा पोस्टर, साइज देखकर हो जाएंगे दंग

नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। फिर चाहे वो बड़ा पर्दा हो या फिर सोशल मीडिया, अमिताभ बच्चन हर जगह छाए रहते हैं। वह अपने परिवार की फोटोज से लेकर फिल्मों से जुड़ी सारी अपडेट सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस तक पहुंचाते हैं। बिग बी के चाहने वाले भी उन्हें खूब प्यार देते हैं। अमिताभ बच्चन की हालिया रिलीज हुई फिल्म झुंड को बड़े परदे के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज किया गया अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' का 6 मई की 5 पर वर्ल्ड प्रीमियर हुआ है। अपनी महत्वपूर्ण फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में बिग बी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और लगातार फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया। दरअसल मेकर्स ने बिग बी को सरप्राइज देते हुए झुग्गी-झोपड़ियों के ऊपर अमिताभ बच्चन का अब तक का सबसे बड़ा पोस्टर लगवाया

है। ये झोपड़ियां एयरपोर्ट के पास हैं। इस पोस्टर को ड्रोन से शूट किया गया है। यह पोस्टर कितना बड़ा है इसकी जानकारी भी वीडियो की शुरुआत में शेयर की गई। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' का ये पोस्टर 100100 फीट का है। अमिताभ बच्चन का ये पोस्टर इतना बड़ा है कि इसे ड्रोन कैमरा से शूट किया गया और इसका सही साइज पता लगाया गया। अमिताभ बच्चन ने अपनी फिल्म के 5 प्रीमियर के बाद इस फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आप सभी के प्यार से झुंड बड़ा और बेहतरीन हो रहा है, आप सभी हमें झुंड ऑन जी5 पर जरुर जॉइन करें। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने विजय बोराडे की भूमिका निभाई थी, जो एक फुटबॉल कोच है और झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों के साथ एक नेशनल फुटबॉल टीम बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। इस फिल्म का निर्देशन नागराज मंजुले ने किया था, जो इससे पहले मराठी सुपरहिट फिल्म 'सैराट' का निर्देशन कर चुके हैं। अमिताभ बच्चन के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो झुंड के बाद अब ब्रह्मास्त्र, गुड बाय, प्रोजेक्ट के, उंचाई जैसे कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम ने भीख मांग रही औरत संग किया ऐसा बर्ताव, वीडियो देख भड़के लोग

नई दिल्ली। टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की तरह ही उनकी बेटी पलक तिवारी हमेशा

ही किसी न किसी वजह से सुखिन्यों में बनीं रहती हैं। पलक इन दिनों कभी अपने काम को लेकर तो कभी सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ रिलेशनशिप को लेकर छाई हुई हैं। अक्सर ही दोनों स्टार किड्स को एक साथ दोस्तो संग स्पॉट पार्टी करते देखा जाता है। वहीं पैपराजी भी उन्हें कैमरे में कैद करने का मौका हाथ से जानें नहीं देते हैं। ऐसे में एक बार फिर से पलक और इब्राहिम को एक साथ स्पॉट किया गया है। इस दौरान दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वयरल हो रहा है। वहीं वीडियो सामने आने के बाद फिर से दोनों को ट्रोल किया जा रहा है, लेकिन इस बार वजह कुछ और ही है। यहां देखें वीडियो इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी का वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में पलक और इब्राहिम फिर से एक साथ नजर आ रहे हैं। एक बार फिर से दोनों ट्रोल्स के निशाने पर हैं, लेकिन इस बार दोनों को भिखारियों को पैसे ना देने के चलते। दोनों को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। लोग दोनों स्टारकिड को जमकर खरी-खोटी सुनते दिख रहे हैं। हलांकि कुछ यूजर्स ने पलक और इब्राहिम को सपोर्ट भी किया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि पलक तिवारी रेस्तरां से अपने कुछ दोस्तों के साथ बाहर निकलती हैं। तभी एक महिला बच्चे को गोद में लिए हुए पलक से पैसे मांगती है, लेकिन वह इगनेर कर देती हैं और कार में जाकर बैठ जाती हैं। वहीं दूसरी तरफ इब्राहिम अली खान भी पलके के पीछे-पीछे रेस्तरां से बाहर निकलते हैं। वो भी जैसे ही कार में बैठते हैं तो वही महिला उनसे पैसे मांगने लगती है, लेकिन वह नहीं देते हैं और कार का गेट बंद कर लेते हैं। पलक और इब्राहिम का ये बर्ताव फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी बात को लेकर दोनों सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किए जा रहे हैं। हलांकि कई लोग पलक को सपोर्ट भी कर रहे हैं।

बॉलीवुड सितारे 'कांस फिल्म फेस्टिवल' के रेड कार्पेट पर बिखेरेंगे जलवा

नई दिल्ली। इस बार कांस फिल्म फेस्टिवल सिर्फ बॉलीवुड के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए बहुत ही खास होने वाला है, क्योंकि इस साल 'कांस फिल्म फेस्टिवल 2022' में भारत को अधिकारिक देश के तौर पर शामिल किया गया है। कांस फिल्म फेस्टिवल में भारत को कंट्री ऑफ ऑनर का सम्मान दिया गया है। इस साल से ही

कांस फिल्म फेस्टिवल में कंट्री ऑफ ऑनर के परंपरा शामिल हुई है और पहले ही साल भारत को इस बड़े सम्मान से नवाजा गया। खास बात ये है कि भारत और फ्रांस के राजनयिक रिश्तों के भी 75 साल पूरे हो चुके हैं। हर साल की तरह 'कांस फिल्म फेस्टिवल 2022' में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरने वाले हैं। 'कांस फिल्म फेस्टिवल 2022' में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे इस बार शिरकत करने वाले हैं। एक तरफ जहां पद्मावत एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को भारत सिनेमा जगत के लिए कांस फिल्म फेस्टिवल के जूरी मेंबर्स की लिस्ट में शामिल किया गया है, तो वही रेड कार्पेट पर भी इस बार बॉलीवुड सितारों का बोल-बाला होगा। इस बार कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर फेमस सिंगर मामे खान, बहु प्रतिभाशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी, सिंगर रिकी केज, साउथ क्वीन नयनतारा और तमनन भाटिया के साथ-साथ अभिनेता आर माधवन भी अपना जलवा बिखेरते हुए नजर आएंगे। इन सभी सितारों के अलावा सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी, वाणी त्रिपाठी सहित कई बड़े सितारे इस बार इस इंटरनेशनल इवेंट का हिस्सा बनेंगे। कांस फिल्म फेस्टिवल इस बार 17 मई शुरू होगा जो 28 मई 2022 तक फ्रांस में चलेगा। भारत 'गोज टू कांस सेक्शन' में पांच फिल्मों का प्रदर्शन करेगा। फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन पर आधारित आर माधवन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म को कान्स में वर्ल्ड प्रीमियर में स्क्रीनिंग के लिए चुना गया है।

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर कह दी ऐसी बात, लोगों ने कहा- इसे घमंड कहते हैं

नई दिल्ली।इन दिनों साउथ स्टार्स को उनकी फिल्मों के लिए सिर्फ तेलुगु और तमिल दर्शकों से ही प्यार नहीं मिलता, बल्कि साउथ सिनेमा के कई ऐसे बड़े सितारे हैं जिन्हें हिंदी ऑडियंस ने खूब प्यार दिया। साउथ की फिल्मों ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की और राम चरण से लेकर जूनियर एंटीआर, प्रभास और विजय देवरकोंडा जैसे कई ऐसे बड़े सितारे हैं, जिन्हें हिंदी ऑडियंस ने दिल से स्वीकार किया। इन सभी सितारों के अलावा फैंस साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू के बॉलीवुड में डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हाल ही में 'मेजर' के ट्रेलर लॉन्च पर पहुंचे महेश बाबू ने हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर ऐसी बात कही जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। ये तो सब ही जानते हैं कि महेश बाबू साउथ इंडस्ट्री का एक बहुत बड़ा नाम हैं, ऐसे में उनकी फैन फ़ॉलोइंग सिर्फ साउथ में नहीं बल्कि पूरे देश में हैं। इंडिया टुडे में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में जब 'मेजर' के ट्रेलर लॉन्च पर पहुंचे तो मीडिया ने उनसे

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर सवाल किया और मीडिया से बातचीत के दौरान महेश बाबू ने कहा, 'मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से बहुत सारे प्रस्ताव मिले, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह मुझे अफॉर्ड कर सकता हैं, मैं ऐसी इंडस्ट्री में काम करके समय नहीं बर्बाद करना चाहता, जो मुझे अफॉर्ड नहीं सकते। आगे बात करते हुए साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने कहा, 'मुझे जो स्टारडम और सम्मान यहां मिलता है, वह बहुत बड़ा है यही वजह है कि मैं साउथ इंडस्ट्री को छोड़कर किसी भी इंडस्ट्री में जाने के बारे में नहीं सोचता हूं। मैंने हमेशा फिल्में करने और बड़ा बनने के बारे में सोचा है। मेरा हर सपना अब सच हो रहा है और मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता'। महेश बाबू की इस प्रतिक्रिया से इंटरनेट पर फैंस दो हिस्सों में बंट गए हैं, जहां कुछ फैन्स महेश बाबू के बयान को हिंदी सिनेमा के लिए करारा जवाब बता रहे हैं तो वही कुछ फैंस उनके इस बयान को उनका घमंड बता रहे हैं। महेश बाबू के हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर दिए गए इस बयान के बाद लोग सोशल मीडिया पर अभिनेता को अभिमानी कहते हुए ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मैंने इस अभिनेता का फेस दूसरी बार देखा है, पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ किसी पान-मसाला के एड में देखा था'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'अच्छा है ।

मनोज बाजपेयी ने किए बाब बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन, शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली। गैंग्स ऑफ वासेपुर, स्पेशल 26 और फैमिली मैन जैसी वेब सीरीज से लोगों का दिल जीतने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी इन

दिनों झारखंड की राजधानी रांची में अपनी आगामी फिल्म जोरम की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग के बीच मंगलवार को अभिनेता बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पद्म श्री सम्मानित अभिनेता मनोज बाजपेयी मंदिर पूजा के दौरान का एक वीडियो भी अपने आधिराकिर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि, मंदिर पर मौजूद पुरोहित वैदिक विधि विधान और मंत्रीचारण के साथ पूजा करा रहे हैं। साथ ही वीडियो में अभिनेता ध्यान की मुद्रा में ज्योतिर्लिंग के समक्ष बैठे हुए दिख रहे हैं। आपको बता दें, मनोज बाजपेयी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक स्वाभिमान से की थी। अभिनेता की बॉलीवुड में एंट्री साल 1994 में आई शेखर कपूर की बायोग्राफिकल फिल्म बैंडिट क्वींन से की थी। इस फिल्म में उन्होंने डाकू का किरदार निभाया है। लेकिन उन्हें पहचान फिल्म शूल से मिली। इसके बाद उन्होंने सत्या, प्रेम कथा, फिजा, एलओसी कारगिल, वीर जारा जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। वही उन्हें फिल्मों में अपने प्रदर्शन के लिए पिछले साल सर्वश्रेष्ट अभिनेता के पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्होंने इस पुरस्कार को साउथ के सुपरस्टार धनुष और मनोज ने साझा रूप में जीता है।

इस तरह हिंदुस्तान को जिताने निकले आयुष्मान खुराना

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म 'अनेक' को लेकर लंबे वक्त से चर्चाओं में हैं। अनेक में आयुष्मान खुराना

का सबसे अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। उनकी फिल्म का एक डायलॉग 'जीतेगा कौन हिंदुस्तान' काफी सुखिन्यों में है। आयुष्मान खुराना ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कई प्रसिद्ध चेहरे फिल्म का डायलॉग बोलते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि भारत में बोली जाने वाली 22 भाषाओं में सिनेमा, टीवी, खेल और म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान रखने वाले लोग अनेक का डायलॉग जीतेगा कौन हिंदुस्तान अपनी-अपनी मातृ भाषा में बोलते हुए दिख रहे हैं। इस खास वीडियो की शुरुआत में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर कोंकणी में बोल रही हैं, जबकि एंड्रिया हिंदी में बोलती हुई दिख रही हैं। इसके बाद मैरी कॉम- मणिपुरी, हुमा कुरैशी- उर्दु, कुणाल खेमू- कश्मीरी, विशाल ददलानी- सिंधी, प्रतीक गांधी- गुजराती, अनुराग सैकिया- असमिया, जूही सिंह- डोगरी, आमिर अली- हिंदी, अनुभव सिन्हा- उडिया, अम्मी विर्क- पंजाबी, अमृता खानविलकर- मराठी, अंकुशिता बोरो- बोडो धंनजय- कन्नड़, रश्मिका मंदाना तेलुगु, मनोज बाजपेयी- मैथिली आर. माधवन- तमिल, रेमो डिसूजा मलयालम, संबुल तौकीर- हिंदी, यश दासगुप्ता- बंगाली और आयुष्मान खुराना खुद संस्कृत में बोलते दिख रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

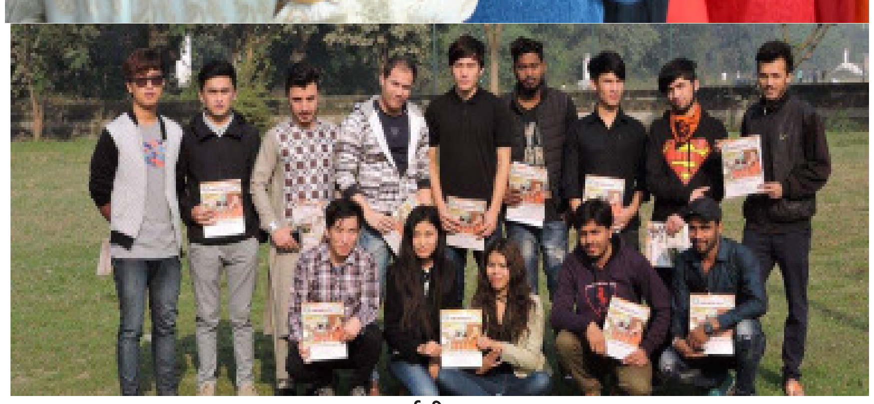

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

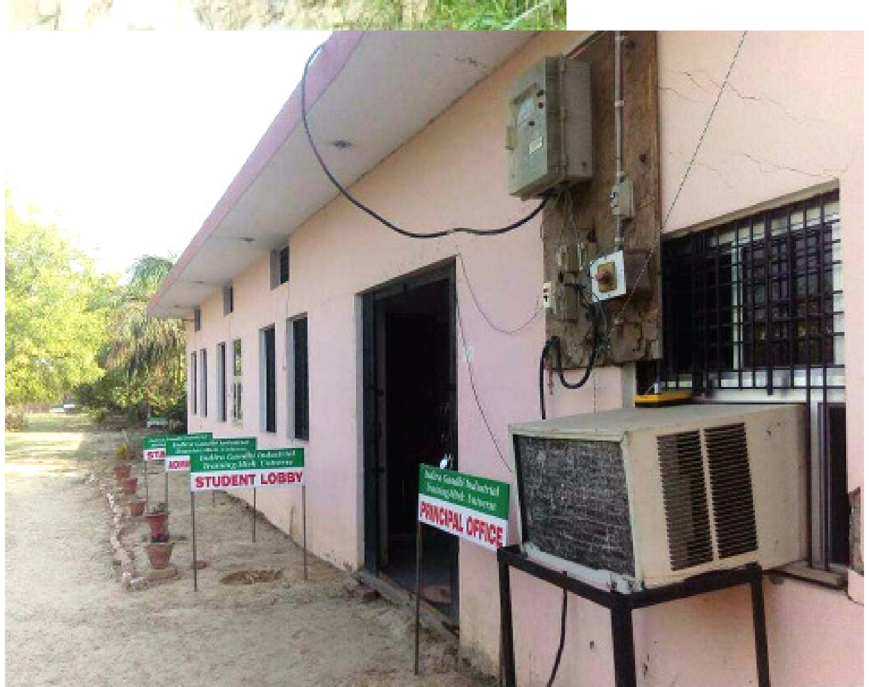

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, बेकिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए है। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

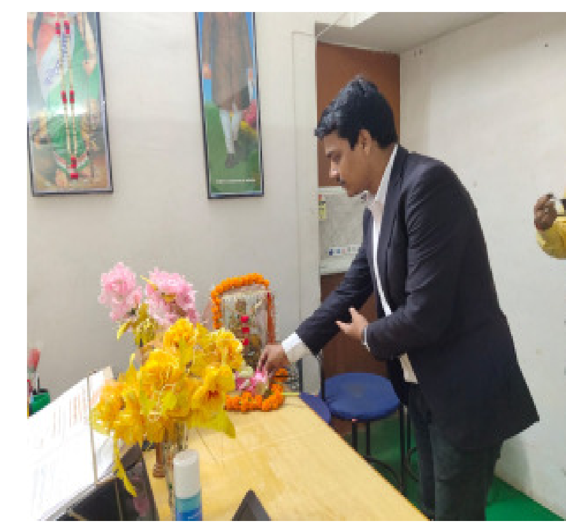

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।